दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 356 | जयपुर, बुधवार, 06 दिसंबर, 2023 | मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष- नवमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

दिनदहाड़े करणी सेना अध्यक्ष का मर्डर: लॉरेंस गिरोह के गैंगस्टर रोहित गोदारा ने ली हत्या की जिम्मेदारी

गोगामेड़ी की हत्या... 18 सेकंड में 17 फायर

गोली लगने से बदमाशों के साथी की भी मौत

हत्यारे 1:15 बजे घर में घुसे थे तीन बदमाश, सोफे पर बैठकर 6 मिनट की बातचीत के बाद 1:21 बजे उठे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी

बेधड़क | जयपुर

श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की तीन शार्प शूटरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करके हत्या कर दी। गैंगवार के चलते हुई इस सनसनीखेज घटना में बदमाशों के साथ आए शाहपुरा निवासी नवीन की भी गोली लगने से मौत हो गई। फायरिंग में गोगामेड़ी के गार्ड अजीत सिंह भी गोली लगने से घायल हो गया। घटना मंगलवार दोपहर 1:21 बजे श्यामनगर में जनपथ स्थित सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के घर की है। वारदात के बाद बदमाशों ने फरार होने के लिए एक कार चालक को पिस्तौल दिखाकर कार लूटने का प्रयास किया, लेकिन चालक कार भगाकर ले गया। इस दौरान वहां से गुजर रहे स्कूटी सवार के गोली मारकर बदमाश स्कूटी लेकर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने प्रदेशभर में बदमाशों को पकड़ने के लिए ए श्रेणी की नाकाबंदी कराई है। घटना के बाद सैकड़ों लोगों मानसरोवर शिप्रापथ स्थित मेट्रो मास हॉस्पिटल के बाहर और गोगामेड़ी के घर पर जमा हो गए। गैंगवार की घटना और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने हंगामा कर दिया और सड़क मार्ग पर आगजनी कर दी। पुलिस ने गुस्साए लोगों को समझाइश कर शांत कराया। पुलिस आरोपियों की धरपकड़ के लिए एक दर्जन से ज्यादा पुलिस टीम तलाशी में जुट गई है। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच, एसओजी-एटीएस के अधिकारी भी आरोपियों की तलाश में जुट गई। घटना के बाद फेसबुक पेज पर लॉरेंग गैंग के रोहित गोदारा ने हत्या कराने की जिम्मेदारी ली है।

राजपूत समाज ने किया बंद का आह्वान

घटना को लेकर प्रदेश भर में राजपूत समाज में आक्रोश है। जयपुर के खातीपुरा और झोटवाड़ा में बाजार बंद करा दिए गए। बदमाशों की जल्द गिफ्तारी की मांग को लेकर समाज के लोगों ने बुधवार को जयपुर सहित प्रदेश में बंद का आह्वान किया है। घटना के बाद मेट्रो मास अस्पताल के बाहर आक्रोशित लोगों ने प्रदर्शन किया और हत्यारों की गिरफ्तारी सहित मुआवजे व सरकारी नौकरी की मांग की।

हत्यारों ने किराए पर ली थी स्कॉर्पियो

सूत्रों ने बताया कि नवीन ने 5 हजार रुपए में किराए पर स्कोर्पियो कार ली थी। दोपहर 12.30 बजे तक नवीन यह स्कॉर्पियो लेकर अकेला घूमता नजर आया है। वैशाली नगर स्थित नर्सरी सर्किल के पास महज 2 मिनट के लिए स्कॉर्पियो रुकी थी। इसके बाद वहां से रवाना होकर सुखदेव गोगामेड़ी के घर के बाहर रुकी थी। यह सब पुलिस को स्कॉर्पियो में लगे जीपीएस सिस्टम से पता चला है। आरोपियों ने यह गाड़ी वैशाली नगर स्थित अलका कार बाजार से ली थी। अलका कार के वैशाली नगर स्थित ऑफिस को पुलिस ने बंद करा दिया और कर्मचारियों को पूछताछ के लिए पुलिस थाने लेकर गई है। आरोपियों ने जिन दस्तावेजों के आधार पर किराए पर कार ली थी, उन दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

5 साल से लॉ एंड ऑर्डर खराब: गजेंद्र शेखावत

कांग्रेस, जिसको हाल ही में जनता ने नकारा है, उसके पूरे 5 साल में लॉ एंड ऑर्डर खराब थे। एक बार फिर यह जघन्य अपराध अंजाम दिया गया। प्रदेश में कई लोगों ने सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई थी, लेकिन एक बार फिर पुलिस विफल साबित हुई और हत्याओं को अंजाम दिया गया। जैसे ही ये घटना सामने आई, मैंने डीजीपी को फोन करके जांच करने के आदेश दिए हैं। डीजीपी को साफ कहा है कि बातों को ट्विस्ट न करें। किसकी मिलीभगत के चलते सुखदेव को सुरक्षा प्रदान नहीं हुई, इसकी भी जांच करें। मेरे संज्ञान में आया है कि जनप्रतिनिधि को भी धमकी मिली है और बार-बार बोलने पर भी सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई, लेकिन ऐसा क्यों हो रहा है? ऐसे साढ़े सात हजार केस सामने आए हैं। आने वाली सरकार की प्राथमिकता लॉ एंड ऑर्डर को सही करने की होगी। सारे अपराधियों को अंजाम भुगतना होगा। नई सरकार केंद्र के साथ मिलकर ऐसे अपराधियों को सजा दिलवाएगी, फिर वो किसी भी कोने में क्यों न छिपे हों। अपने साथी अपने नेता की हत्या के बाद आंदोलन स्वभाविक है, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि मैं आपके दुख में आपके साथ हूं, संयम बनाए रखें, कानून अपने हाथ में न लें।

पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद

गोगामेड़ी के घर पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। तीन बदमाश स्कॉर्पियो से उनके घर पर आए थे। स्कॉर्पियो को घर से करीब 200 मीटर पहले ही खड़ा कर दिया। इसके बाद पैदल चलकर उनके घर में दोपहर 1:15 बजे आए। घर में घुसने के बाद बदमाश गार्ड को सुखदेव गोगामेड़ी से मिलने की बात कहने लगे। गार्ड अंदर गया और देर बाद ही तीनों बदमाशों को बुला लिया। कमरे में सोफा पर सुखदेव सिंह व उनका साथी बैठा हुआ था। करीब 6 मिनट तक बदमाशों ने गोगामेड़ी के साथ बातचीत की और अचानक उठकर दो बदमाशों ने 18 सेकंड में ताबड़तोड़ 17 राउंड फायर किए। इसके बाद बदमाश वहां से भाग गए।

बदमाशों की ही गोली से मरा उनका साथी

बदमाशों की गोली उनके साथ आए नवीन को भी लग गई थी। वह वहां पर ही गिर गया था। वहां पर मौजूद लोगों ने घायलों को नजदीकी मेट्रो मास हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने गोगामेड़ी व नवीन को तुरंत मृत घोषित कर दिया गया। गोगामेड़ी के सिर पर और सीने पर गोलियां लगने से मौत हुई है।

जरूरी खबर

रेड्डी होंगे तेलंगाना के नए सीएम, सात को शपथग्रहण

नई दिल्ली। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले पार्टी की राज्य के इकाई के अध्यक्ष अनुमूला रेवंत रेड्डी प्रदेश के नए मुख्यमंत्री होंगे। कांग्रेस नेतृत्व ने रेड्डी को मंगलवार को विधायक दल का नेता बनाने का सर्वसम्मति से फैसला किया। शपथ ग्रहण समारोह सात दिसंबर को होगा। रेड्डी तेलंगाना के दूसरे मुख्यमंत्री होंगे। करीब एक दशक पहले तेलंगाना के नए राज्य के रूप में अस्तित्व में आने से लेकर अब तक भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव मुख्यमंत्री थे।

लॉरेंस गिरोह पर हरियाणा-राजस्थान में ईडी के छापे

नई दिल्ली। ईडी ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ धन शोधन की जांच के सिलसिले में मंगलवार को हरियाणा तथा राजस्थान में कई स्थानों पर छापे मारे। एजेंसी पीएमएलए केस में की जा रही जांच के तहत दो राज्यों में करीब 12 स्थानों पर तलाशी ले रही है। एनआईए और कुछ अन्य राज्य की पुलिस ने लॉरेंस और गोल्डी बराड के खिलाफ केस दर्ज किए हैं और आरोप पत्र दाखिल किए हैं। ईडी ने इसी के आधार पर कार्रवाई की है।

कांग्रेस विधायक दल नेता का फैसला करेगा आलाकमान

पर्यवेक्षकों ने वन-टू-वन बात कर जाने हार के कारण

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस विधायक दल का फैसला आलाकमान करेगा। इसके लिए एक लाइन का प्रस्ताव पारित कर उसे अधिकृत किया गया है।

कांग्रेस विधायक की बैठक मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई। बैठक में एआईसीसी के पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री, भूपेन्द्रसिंह हुड्डा, मुकुल वासनिक, राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित सभी कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायक उपस्थित रहे।

बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रस्ताव रखा कि विधायक दल के नेता के मनोनयन का निर्णय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष करें। इसका अनुमोदन डोटासरा ने किया तथा विधायकों ने हाथ उठाकर अपनी सहमति जताई। इस पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मनोनयन का जिम्मा कांग्रेस आलाकमान को सौंपा। विधानसभा चुनाव में हुई करारी हार को लेकर कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने विधायकों से वन-टू-वन मुलाकात कर पार्टी की हार के कारणों के बारे में पूछा।

विधायक लोस चुनाव की तैयारी में जुटें: गहलोत: गहलोत ने कहा कि सभी विधायक अभी से लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। सर्वसम्मत नाम को लेकर अभी से राय मशविरा करना शुरू कर दें। चुनाव में भाजपा ने स्थानीय मुद्दों पर बात नहीं की। मतों का ध्रुवीकरण किया गया। प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर नहीं थी, लेकिन मतदाता हमारे साथ जुड़ नहीं पाए। हमारा वोट प्रतिशत ज्यादा कम नहीं हुआ है।

कमियों और सुधारों पर हो मंथन: पायलट: पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि आखिर हम हर बार सरकार रिपीट क्यों नहीं कर पाते हैं? क्या कमियां रही और भविष्य में कामयाबी के लिए क्या सुधार किए जाने चाहिए, इस पर गहन मंथन की आवश्यकता है। जनता कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित है, फिर भी सरकार दुबारा नहीं बन पाई। हार के कारणों का विश्लेषण किया जाए। अब पुरानी बातों को भूलकर हमें लोकसभा चुनाव की तैयारी करनी चाहिए।

■ पेज 3 भी देखें

CM के OSD का चौंकाने वाला दावा

'पायलट की गतिविधियों, फोन को ट्रैक किया जा रहा था'

एजेंसी | नई दिल्ली

राजस्थान के निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 2020 में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की बगावत से पहले और उस दौरान पायलट की गतिविधियों और फोन को गहलोत नीत सरकार द्वारा 'ट्रैक' किया गया था। आरोपों पर कांग्रेस नेता गहलोत और पायलट या उनके सहयोगियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। शर्मा को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट से वंचित कर दिया गया था और चुनाव में पार्टी की हार के लिए वह गहलोत पर निशाना साध रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि अगर पिछले साल सितंबर की घटनाएं नहीं होतीं, जब विधायक दल की बैठक को गहलोत के वफादारों ने नहीं होने दिया था और कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने उस एजेंडे को पूरा किया होता जिसके लिए वे आए थे, तो राजस्थान में तस्वीर इससे कुछ अलग होती। कांग्रेस नेतृत्व नेतृत्व परिवर्तन करना चाहता था और पायलट को मुख्यमंत्री बनाना चाहता था। उन्होंने कहा कि गहलोत और पायलट के बीच मतभेदों ने पार्टी की संभावनाओं को 'नुकसान' पहुंचाया।

करणपुर विस सीट पर चुनाव 5 जनवरी को

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान की करणपुर विधानसभा सीट पर मतदान पांच जनवरी 2024 को होगा। ईसी ने जानकारी दी कि करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण इस सीट के लिए मतदान स्थगित कर दिया गया था। आयोग ने बताया कि करणपुर सीट पर मतदान 5 जनवरी को तथा मतगणना 8 जनवरी को होगी व परिणाम घोषित होगा। नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 12 दिसंबर से शुरू होगी और इसकी आखिरी तारीख 19 दिसंबर है। नामांकन पत्रों की छंटनी 20 दिसंबर को की जाएगी और 22 दिसंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

कौन होगा प्रदेश का मुख्यमंत्री

सीएम के नाम पर क्या BJP हाईकमान एक बार फिर चौंकाएगा!

- बुधवार को छंट सकती है पसोपेश की धुंध: पार्टी सूत्र
- महामंत्रियों की मंगलवार शाम होने वाली बैठक भी टली
- 20 से ज्यादा MLA ने मंगलवार को वसुधंरा राजे से की मुलाकात

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में भाजपा को बहुमत मिलने के साथ ही अब किसके सिर सीएम का ताज होगा इसको लेकर जयपुर से लेकर दिल्ली तक कवायद के साथ सियासी कयासबाजी चलती रही। अब तक प्रदेश से 5 से ज्यादा नाम सामने आए हैं, जिनमें से किसी एक का चयन हो सकता है, हालांकि पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में नाम पर मुहर लगेगी, फिर विधायक दल की बैठक के बाद ही उसका ऐलान होगा। सीएम के नाम को लेकर बुधवार शाम तक सारी स्थिति साफ हो जाएगी।

पहले भी चौंका चुका है आलाकमान

प्रदेश में मुख्यमंत्री के नाम को लेकर जहां कयासबाजी जारी है, वहीं अंदरखाने चर्चा है कि अन्य प्रदेशों में भाजपा द्वारा सीएम की चेहरे को लेकर हर बार चौंकाया है। क्या यहीं चौंकाने वाला चिरपरिचित अंदाज प्रदेश में भी आजमाइ जा सकती है। फिलहाल, तस्वीर साफ नही है। सवाल यह भी है क्या वसुंधरा राजे तीसरी बार बनेंगी मुख्यमंत्री या सिर फुटव्वल होगी।

संसदीय बोर्ड की बैठक भी अभी तय नहीं

भाजपा के संसदीय बोर्ड की बैठक कब होगी इस पर भी अभी असमंजस है, वहीं मंगलवार शाम होने वाली महामंत्रियों की बैठक भी टाल दी गई है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। जिसके बाद से कयास लगाए जा रहे थे कि मंगलवार देर शाम तक प्रदेश के सीएम को लेकर नाम सामने आ सकता है। वैसे, सूत्रों से मिली के अनुसार दिल्ली में सीएम को लेकर चल रहा मंथन अब अंतिम दौर में है। बुधवार दोपहर तक 'फटाफट' अंदाज में विधायक दल की बैठक के साथ ही नाम का ऐलान हो सकता है।

राजे से मुलाकात का दौर जारी

इधर, वसुधंरा से नवनिर्वाचित विधायकों की मुलाकात का दौर मंगलवार को भी जारी रहा। इस दिन 20 से ज्यादा और विधायकों ने वसुधंरा राजे से मुलाकात की, सोमवार को भी करीब तीन दर्जन एमएलए उनसे मिले थे और उनके प्रति समर्थन जताया था। मंगलवार सुबह अरुण चौधरी, जोगाराम पटेल, संजीव बेनीवाल, दर्शन सिंह, अजय सिंह किलक और जसवंत यादव सहित अन्य विधायक राजे से मिलने पहुंचे। उधर, दिल्ली में डेरा डाले नेताओं ने नड्डा और अन्य शीर्ष नेताओं को प्रदेश की मौजूदा राजनीतिक गतिविधियों से अवगत कराया। उधर, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी से मिलने मंगलवार को शिव से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी के अलावा गोपीचंद मीणा, गोपाल शर्मा और भजन लाल शर्मा पहुंचे। सीएम कौन होगा? सवाल पर गोपीनाथ मीणा बोले- संगठन सर्वोपरि है।

जरूरी खबर

हज हाउस में ई-सुविधा केन्द्र की हुई स्थापना

जयपुर। हज यात्रा-2024 के आवेदन पत्र 20 दिसम्बर तक ऑनलाइन भरे जा रहे हैं। इसके लिए जयपुर के हज हाउस में आवेदन पत्र भरने के लिए ई-सुविधा केन्द्र की स्थापना की गई है। हज यात्रियों के ब्लड ग्रुप जांच के लिए मेडिकल टीम की व्यवस्था भी की जा रही है। हज कमेटी के अधिशाषी अधिकारी डॉ. महमूद अली खान ने बताया कि आवेदन पत्रों की जांच के उपरान्त कवर नम्बर जारी किया जाएगा। न्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुम्बई की वेबसाइट http://hajcommittee.gov.in या एनड्रोईड मोबाईल एप *HAJ SUVIDHA* पर ऑनलाइन आवेदन पत्र भरा जा सकता है।

वरिष्ठ अध्यापक सामाजिक विज्ञान का परिणाम जारी

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने मंगलवार को वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के सामाजिक विज्ञान विषय का रिजल्ट जारी किया गया। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि सामाजिक विज्ञान विषय की विचारित सूची 31अगस्त को जारी की गई थी। विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच काउंसिलिंग के माध्यम से करवाई गई। पात्रता जांच के बाद संबंधित सेवा नियमानुसार टीएसपी क्षेत्र के 313 तथा नॉन टीएसपी क्षेत्र के 1292 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

हेरिटेज निगम ने सरकारी भूमि से हटाया अतिक्रमण

जयपुर। नगर निगम जयपुर हैरिटेज ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया है। आयुक्त राजेन्द सिंह शेखावत के निर्देश पर उपायुक्त सर्तकता एस के मेहरानियां के निर्देशन में सर्तकता शाखा ने सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया। उपायुक्त सतर्कता एसके मेहरानियां ने बताया कि गलता गेट थाना क्षेत्र में गंगापोल गेट के अंदर सड़क के दाहिने छोर पर एक व्यक्ति ने सरकारी भूमि पर बाथरूम, गटर व बाउन्ड्री वॉल बनाकर कब्जा कर लिया था। जिसे निगम के सर्तकता दल ने ध्वस्त कर सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करवाया।

निर्वाचन विभाग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में करवा सकेंगे संशोधन

1 जनवरी को 18 वर्ष के होने वाले युवा जुड़वा सकते हैं नाम

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनावों के बाद फिर निर्वाचन विभाग में नए मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी हैं। निर्वाचन विभाग ने एक जनवरी, 2024 को 18 वर्ष पूर्ण होने जा रही है और जिनका नाम मतदाता में सूची नहीं है, ऐसे सभी मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए 6 जनवरी से प्रदेश की 199 विधानसभा क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाएगा। करणपुर विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन कार्यक्रम घोषित होने के कारण नए मतदाताओं का नाम नहीं जोड़ा जायेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों द्वारा एकीकृत मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन 6 जनवरी को किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि दावे एवं आपत्तियां 6 जनवरी से 22 जनवरी तक प्राप्त किए जाएंगे। 2 फरवरी तक दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा एवं मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 8 फरवरी 2024 को किया जाएगा।

किसी भी तरह का संशोधन करा सकेंगे

भारत निर्वाचन आयोग ने 1 जनवरी, 2024 के संदर्भ में फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया है। इस अवधि के दौरान अर्हता पूरी करने वाले पात्र मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के साथ ही जिनके विवरण में कोई संशोधन या कमी है वे भी दुरुस्त करवा सकते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बूथ लेवल एजेंटों की मदद से अधिकाधिक नाम जुड़वाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि बीएलओ की मदद से दोहरे नामों और दोहरी प्रविष्टियों को भी चिह्नित करें ताकि ऐसे नामों का सत्यापन कर मतदाता सूची से हटाया जा सके।

संशोधन के लिए भरने होंगे अलग-अलग फॉर्म

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अर्हता एक जनवरी, 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों में जोड़ने का कार्य प्रारम्भ होगा। साथ ही अर्हता तिथि एक अप्रेल, एक जुलाई एवं एक अक्टूबर 2024 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले मतदाता भी नाम जोड़ने के लिए प्रारूप प्रकाशन की तिथि से अग्रिम रूप से आवेदन कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आमजन विभिन्न ऑनलाईन माध्यम यथा वोटर हैल्पलाईन मोबाईल एप, बीएलओ एप एवं निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रपत्र-6, नाम विलोपन हेतु प्रपत्र-7 एवं प्रविष्टियों में संशोधन, निवास स्थानान्तरण, डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र तथा विशेष योग्य जन संबंधी चिन्हीकरण के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन कर सकेंगे। गुप्ता ने यह भी बताया कि फार्म नं. 8 का उपयोग कर मतदाता अपनी प्रविष्टि के साथ अपना यूनिक मोबाइल नम्बर भी मतदाता सूची में पंजीकृत करा सकते हैं। ऐसे मतदाताओं, जिनके यूनिक मोबाइल नम्बर मतदाता सूची में पंजीकृत हैं उन्हें ई -सेवायें प्रदान की जाती है।

भाजपा के 35, कांग्रेस के 20 विधायकों पर हैं आपराधिक मामले

चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे 61 माननीय के दामन 'दागदार'

■ **पिछली बार के मुकाबले 9 प्रतिशत अधिक दागी प्रत्याशी पहुंचे सदन में**

श्रवण भाटी | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश की 16वीं विधानसभा में पहुंचने वाले नवनिर्वाचित सदस्यों में आपराधिक मामले में आरोपी विधायकों की संख्या बढ़ गई है। प्रदेश के प्रत्याशियों द्वारा निर्वाचन विभाग में दिए गए शपथ पत्र के अनुसार कुल 199 में से 61 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जो करीब 31 प्रतिशत हैं। वहीं इन आपराधिक मामलों में 44 विधायकों ने गंभीर आपराधिक मामलों का शपथ पत्र पेश किया गया हैं, जो 22 प्रतिशत हैं।

गौरतलब है कि 15वीं विधानसभा में कुल 46 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज थे, जो करीब 23 प्रतिशत था। वहीं 28 प्रत्याशियों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे जो करीब 14 प्रतिशत था। निर्वाचन विभाग से प्राप्त आकड़ो के अनुसार इस बार आपराधिक मामलो में आरोपी विधायकों की संख्या करीब 9 प्रतिशत बढ़ गई हैं। यह सर्वे एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और राजस्थान इलेक्शन वॉच की ओर से किए विश्लेषण के आधार पर लिया गया हैं। सर्वे के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के 115 विधायकों में से 35, कांग्रेस के 69 में से 20 और निर्दलीय 8 में से 3 विधायको पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कांग्रेस के ये विधायक हैं आरोपी

कांग्रेस में अशोक चांदना पर 3, अशोक गहलोत 4, शोभारानी कुशवाह 4, जुबेर खान 4, सुरेश गुर्जर 2, रामकेश 1, घनश्याम 1 , रामनिवास गावड़िया 5, मुकेश भाकर 4, कांतिप्रसाद 3, गणेश घोघरा 3, अभिमन्यु पूनिया 5 और मनीष यादव पर 3 मामलें दर्ज हैं। विकास चौधरी, रमिला खड़िया, रोहित बोहरा, रफीक खान, ललित यादव और मोतीराम पर एक-एक मामला दर्ज हैं।

इन दलों के विधायकों पर भी हैं मामले दर्ज

भारतीय आदिवासी पार्टी के उमेश मीणा पर 2, राजकुमार रोत पर एक मामला दर्ज है। वहीं आरएलपी के हनुमान बेनीवाल पर एक मामला दर्ज है। निर्दलीय में रविंद्र सिंह भाटी पर 6, गणेश राज बंसल पर 3, ऋतु बनावत पर 1 मामला दर्ज हैं।

फेक्ट फाइल

पार्टी	कुल विजेता	दर्ज मामले	प्रतिशत	गंभीर मामले	प्रतिशत
भाजपा	(115)	35	30	24	21
कांग्रेस	(69)	20	29	16	23
बीएपी	(3)	2	67	1	33
RLP	(1)	1	100	1	100
निर्दलीय	(8)	3	38	2	25

इन भाजपा विधायकों पर इतने मामले दर्ज

भाजपा के नवनिर्वाचित विधायको में सबसे ज्यादा मदन दिलावर पर 14, किरोड़ीलाल मीणा पर 12, भेराराम 4, कैलाश चंद वर्मा 2, कंवर लाल 5, जेठानन्द व्यास 4, जयदीप बिहाणी 3. जीतेन्द्र कुमार गोठवाल 2, हरलाल सहारण 1, गोपीचन्द मीणा 5, अमृत लाल मीणा 1, उदयलाल डांगी 8 , संजय शर्मा 3, सुरेन्द्र सिंह राठौड़ 1, जोगेश्वर गर्ग 1 , बालमुकुंदाचार्य 2, गोपाल शर्मा पर 2 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं हीरालाल नागर, लालाराम बैरवा, शत्रुघ्न गौतम, विक्रम सिंह जकड़ी, शैलेश सिंह, कालीचरण सराफ, उदयलाल भड़ाना, केसाराम चौधरी, छगन सिंह राजपुरोहित, अंशुमान सिंह भाटी, झब्बर सिंह खारा, बहादुर सिंह, जवाहर सिंह, बाबा बालकनाथ, भजन लाल शर्मा, कन्हैयालाल और शोभा चौहान पर एक मुकदमा दर्ज है।

2.41 लाख रुपए का जुर्माना

अवैध चार्जिंग स्टेशन पर मारा छापा, दस ई-रिक्शा किए जब्त

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में बिजली चोरों के हौंसले इतने बुलंद है कि दिनदहाड़े बिजली चोरी की जा रही है। इससे जयपुर डिस्कॉम को लाखों का चूना लग रहा है। डिस्कॉम प्रबंधन की ओर से मंगलवार को बिजली चोरी को बड़ी कार्रवाई की।

डिस्कॉम की विजिलेंस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शहर के रामगंज क्षेत्र के मौहल्ला टिक्कीगरान में एलटी लाइन के पैनल बॉक्स से अवैध विद्युत कनेक्शन लेकर चलाए जा रहे ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन पर छापा मारा। टीम ने मौके पर पहुंच कर अवैध रूप से चार्ज किए जा रहे 10 ई-रिक्शा व अन्य उपकरणों को जब्त किया। मामले के बारे में जयपुर डिस्कॉम की विजिलेंस विंग के हेड रघुवीर सैनी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि टिक्कीगरान मौहल्ले में अवैध ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन चलाया जा रहा है। इस सूचना पर उप अधीक्षक अमजद खान, अधिशासी अभियंता अनिल टोडवाल, कनिष्ठ अभियंता सुमन कुमारी व विद्युत चोरी निरोधक थाने के थाना प्रभारी की एक टीम गठित की गई। टीम को कार्रवाई को अंजाम देने के लिए निर्देश दिए गए। मंगलवार को टीम व पुलिस जाब्ते के साथ सिराज के मकान पर छापा मारा। छापे के दौरान अवैध रूप से चार्ज किए जा रहे 10 ई रिक्शा व उपकरणों को जब्त किया गया। पिछले एक साल से चोरी की बिजली से चार्जिंग स्टेशन चलाया जा रहा था। जयपुर डिस्कॉम विजिलेंस विंग के हैड रघुवीर सैनी ने बताया कि विद्युत चोरी अधिनियम के तहत मकान मालिक पर 2.41 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

आयोग की वेबसाइट पर देख सकते हैं जरूरी दिशा-निर्देश

खुशखबरी: ईओ, आरओ भर्ती की काउंसलिंग तिथि जारी

बेधड़क | जयपुर

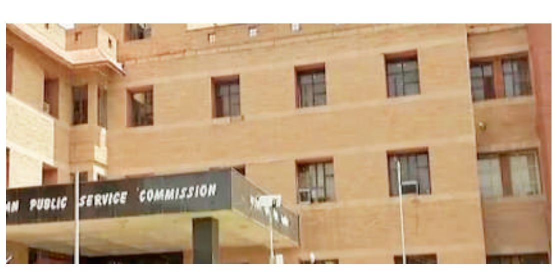

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने मंगलवार को राजस्व अधिकारी-ग्रेड द्वितीय और अधिशासी अधिकारी-वर्ग चतुर्थ प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत जारी विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों का काउंसिलिंग कार्यक्रम जारी किया गया है।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि आयोग की ओर से 21 नवंबर को पात्रता जांच के लिए अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई थी। इस सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग का आयोजन 11 से 13 दिसंबर तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जाएगा।

काउंसिलिंग के लिए आयोग वेबसाइट से विस्तृत आवेदन-पत्र एवं आवश्यक दिशा-निर्देश डाउनलोड कर विस्तृत आवेदन-पत्र (दो प्रतियों में) समस्त प्रविष्टियां पूर्ण कर संबंधित शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, जाति, मूल निवास एवं अन्य दस्तावेज की स्वप्रमाणित प्रतियां (एक प्रति में) संलग्न कर मूल दस्तावेज के साथ रोल नंबर अनुसार निर्धारित दिनांक व समय पर आवश्यक रूप से उपस्थित होना होगा।

विशेष अदालत 16 दिसंबर को सुनाएगी फैसला

कन्हैयालाल हत्याकांड में चार्ज बहस पूरी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के सबसे चर्चित उदयपुर के कन्हैयालाल टेलर हत्याकांड मामले में एनआईए मामलों की विशेष अदालत में मंगलवार को आरोपियों की चार्ज बहस पूरी हो गई। गौरतलब है कि मामले में एनआईए की चार्ज बहस 28 अक्टूबर को ही पूरी हो गई थी।

एनआईए व आरोपियों की ओर से चार्ज बहस पूरी होने के बाद विशेष अदालत 16 दिसंबर को चार्ज पर फैसला देगी।

एनआईए की ओर से चार्ज बहस में कहा था कि आरोपियों ने व्हाट्सअप पर समूह बनाकर आपराधिक षड्यंत्र रचा और धर्म के नाम पर कन्हैयालाल टेलर की जघन्य हत्या की है। आरोपियों के खिलाफ की गई जांच से भी यह साबित है कि आपराधिक षड्यंत्र में सभी शामिल रहे हैं। उनके खिलाफ हत्या, अन्य धर्म व जाति को अपमानित करने व आतंकी गतिविधियों में शामिल रहने का आरोप भी प्रमाणित माना गया है। इसलिए आरोपियों पर हत्या सहित अन्य अपराध में आरोप तय किए जाएं। वहीं, आरोपियों की ओर से उनके अधिवक्ता ने अपने बचाव में पक्ष रखा। गौरतलब है कि कन्हैयालाल की 28 जून को उदयपुर में हत्या कर उसका वीडियो वायरल किया गया था।

मामले में एनआईए ने दिसंबर 2022 में गौस मोहम्मद व मोहम्मद रियाज अत्तारी सहित सभी आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120 बी, 449, 302, 307 व 324 (34), 153 ए, 153 बी 295 ए और यूएपीए एक्ट की धारा 16,18 व 20 के तहत आतंकी गतिविधियों के आरोप में चालान पेश किया था। इन आरोपियों में फरार चल रहे पाक निवासी सलमान व अबू इब्राहिम भी शामिल हैं।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष की पोस्ट चर्चा में

पूनियां का यू-टर्न... बोले-समर्थकों के साथ करेंगे हार की समीक्षा

राजनीति के गलियारों में चर्चाओं के बाद बदला रूख

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनावों के परिणाम के बाद भाजपा को भले ही पूर्ण बहुमत मिल गया हो, लेकिन पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर राजनीति से ब्रेक लेने की बात कही थी, लेकिन पूनिया मंगलवार को अपनी बात से मुकर गए। उन्होंने लिखा कि उन्होंने भावुकता में ऐसी पोस्ट कर दी थी, वो हार के कारणों की समीक्षा करेंगे और आमेर की सेवा करते रहेंगे। गौरतलब है कि आमेर विधानसभा से मिली के हार के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी भावना व्यक्त करते हुए लिखा था कि लोकतंत्र में जनता जनार्दन होती है।

मैं आमेर की जनता के निर्णय को स्वीकार करता हूं और कांग्रेस के विजयी प्रत्याशी प्रशान्त शर्माजी को बधाई देता हूं। आशा करता हूं कि वो आमेर के विकास को यथावत गति देते रहेंगे और जन भावनाओं का सम्मान करेंगे। पूनिया की पोस्ट के बाद राजनीति के गलियारों में कई तरह की चर्चा होना शुरू हो गई थी। मंगलवार को पूनिया ने वापस पोस्ट करते हुए लिखा कि मैंने भावनाओं से प्रेरित होकर एक भावुक पोस्ट की थी, उसके द्वारा यह व्यक्त करना चाहता हूं कि आमेर के अधिकांश सच्चे कार्यकर्ताओं ने पार्टी के लिए अथक परिश्रम भी किया है और साथ खड़े रहे, मैं उन सबका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

'पराजय के कारणों की समीक्षा भी करेंगे'

पूनिया ने आगे लिखा, हम पार्टी के स्तर पर पराजय के कारणों की उचित समीक्षा भी करेंगे और भविष्य में पार्टी की जीत कैसे सुनिश्चित हो, इस पर भी काम करेंगे कुछ समाचार माध्यमों ने मेरे राजनीतिक जीवन से संन्यास की बात लिखी हैं, जो सत्य नहीं है, भाजपा कार्यकर्ताओं से मेरा संवाद यथावत बना रहेगा. उन्होंने आगे कहा था, आमेर से मेरा रिश्ता दस बरसों से है, 2013 में पार्टी के निर्देश पर चुनाव लड़ने आया था, चुनाव में मात्र 329 वोटों की हार हुई, लेकिन भाजपा की सरकार के दौरान हमने यहां विकास को मुद्दा बनाकर काम किया।

Satish Poonia
12 h

राम राम, नमस्कार मित्रों,
मैंने भावनाओं से प्रेरित होकर एक भावुक पोस्ट की थी, उसके द्वारा यह व्यक्त करना चाहता हूँ कि आमेर के अधिकांश सच्चे कार्यकर्ताओं ने पार्टी के लिए अथक परिश्रम भी किया है और प्रबुद्ध लोगों ने पार्टी के पक्ष में मतदान भी किया है, जो इस परिस्थिति में भी पार्टी के साथ खड़े रहे, मैं उन सबका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, हम पार्टी के स्तर पर पराजय के कारणों की उचित समीक्षा भी करेंगे तथा भविष्य में पार्टी की जीत कैसे सुनिश्चित हो, इस पर भी काम करेंगे 🙏
कुछ समाचार माध्यमों ने मेरे राजनीतिक जीवन से संन्यास की बात लिखी हैं, जो सत्य नहीं है, भाजपा कार्यकर्ताओं से मेरा संवाद यथावत बना रहेगा।

धन्यवाद
आपका ही सदैव
सतीश पूनियाँ

जाति को बताया था हार की वजह

पूनिया ने इशारों में अपनी हार की वजह जाति को बताते हुए कहा, लोग कहते हैं कि यहां बड़ी-बड़ी जातियों का बाहुल्य है और जातियों के इस जंजाल में जाति से ऊपर उठकर कोई विकास की सोचें थोड़ा मुश्किल है। 2013-2018 में हमने कोशिश की, थोड़ा सफल हुए, विकास कार्यों से लेकर कोरोना के दौरान सेवा कार्यों से लोगों में भरोसा पैदा करने की कोशिश की थी, लेकिन शायद लोगों को समझाने में हम विफल रहे।

खून से लिखा पत्र, किरोड़ी को सीएम बनाने की मांग

जयपुर। प्रदेश में विधानसभा चुनावों में भाजपा को बहुमत मिलने के बाद मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर हर गुट अपने अपने प्रयास कर रहें हैं। इसी बीच भाजपा नेता और सवाई माधोपुर से विधायक डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर उनके एक समर्थक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खून से पत्र लिखा। मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर सपोटरा विधानसभा क्षेत्र निवासी भाजपा नेता प्रताप पाकड़ कोडयाई ने अपने खून से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें डॉ. किरोडी लाल को सीएम बनाने का आग्रह किया।

सुखदेव सिंह हत्याकांड: पुलिस मुख्यालय व कमिश्नरेट के अधिकारियों की कार्यशैली कटघरे में

गोगामेड़ी को क्रिमिनल मानकर पुलिस ने सुरक्षा देने से कर दिया था इनकार

पुलिस ने एक लाख का इनाम घोषित कर रखा है हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले गैंगस्टर पर

बेधड़क । जयपुर

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोली मारकर की गई हत्या ने पुलिस मुख्यालय व कमिश्नरेट के अधिकारियों की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

गोगामेड़ी को डेढ़ साल से जान से मारने की विदेशी नंबरों व यूपी के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबरों से धमकी मिल रही थी। गोगामेड़ी ने पुलिस मुख्यालय से सुरक्षा मांगी और श्यामनगर पुलिस थाने में 15 मार्च 2022 को मुकदमा भी दर्ज कराया था, लेकिन पुलिस मुख्यालय ने उन्हें क्रिमिनल मानकर सुरक्षा देने से इनकार कर दिया। श्यामनगर थाना पुलिस ने 14 नवंबर 2022 को यह लिखकर मामले में बिना जांच के एफआर लगा दी कि आरोपियों का पता नहीं चला। ऐसे में अब इस हत्याकांड में पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। इससे पहले गोगामेड़ी ने हनुमानगढ़ के भादरा थाने में भी धमकी मिलने की शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने नजरअंदाज कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस के आला अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। जिम्मेदार अधिकारियों ने मामले में चुप्पी साध ली और एक-दूसरे पर टालने में लगे हैं। सुरक्षा नहीं मिलने से गोगामेड़ी ने दो निजी सुरक्षाकर्मी रखे थे।

गौरतलब है कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की लग्जरी कार में आए तीन शूटरों ने मंगलवार को घर में घुसने के बाद ताबड़तोड़ फायरिंग करके हत्या कर दी। वारदात के दौरान बदमाशों के साथ आए उनके साथी की भी गोली लगने से मौत हो गई। गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाला गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की गैंग का गुर्गा है। इस पर पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है। गोदारा 2022 में फर्जी नाम से पासपोर्ट बनवाकर दुबई भाग गया था।

सुरक्षा नहीं देने के लिए ये अफसर जिम्मेदार!

जान से मारने की धमकी मिलने के बाद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने सुरक्षा मांगी थी। सुरक्षा देने की जिम्मेदारी तब इंटेलीजेंस के तत्कालीन डीजी उमेश मिश्रा, तत्कालीन एडीजी सुरक्षा एस सेंगाथिर और पूर्व डीजीपी एमएल लाठर की थी, लेकिन इन अफसरों ने गोगामेड़ी को क्रिमिनल माना और सुरक्षा देने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि गोगामेड़ी के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, लूट व योन शोषण समेत एक दर्जन मुकदमे अलग-अलग पुलिस थानों में दर्ज हैं।

फोटो: राजेश कुमावत

'दुश्मन घर की चौखट पर अपनी अर्थी तैयार रखें'

इधर, घटना के बाद गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से बने फेसबुक पेज पर हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। पोस्ट में लिखा- 'राम राम, सभी भाइयों को मैं रोहित गोदारा कपूरीसर, गोल्डी बरार। भाइयों आज यह जो सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या हुई है। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी हम लेते हैं। यह हत्या हमने करवाई है। भाइयों मैं अपको बताना चाहता हूं कि ये हमारे दुश्मनों से मिलकर उनका सहयोग करता था। उनको मजबूत करने का काम करता था। रही बात दुश्मनों की तो वह अपने घर की चौखट पर अपनी अर्थी तैयार रखें। जल्दी उनसे भी मुलाकात होगी।'

राज्यपाल ने डीजीपी को किया तलब

गैंगवार की घटना के बाद राज्यपाल कलराज मिश्र ने डीजीपी उमेश मिश्रा को तलब किया और घटना की जानकारी लेकर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राज्यपाल के आदेशों के बाद मिश्रा ने सभी पुलिस अधिकारियों को अलर्ट कर दिया और आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। हत्याकांड की सूचना पर स्थानीय विधायक गोपाल शर्मा व कई राजनेता मौके पर पहुंच गए और पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

अलग होकर बनाया था नया संगठन

साल 2006 में सबसे पहले करणी सेना बनी थी। बाद में लोकेंद्र सिंह कालवी ने अलग संगठन राजपूत करणी सेना बनाया। साल 2012 में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को श्री राजपूत करणी सेना का प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया, लेकिन बाद में कालवी और गोगामेड़ी में विवाद हो गया था। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने 2017 में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के नाम से अलग संगठन बना लिया था।

कोहरे का कहर: कार पलटी, तीन घायल

जयपुर। घने कोहरे के चलते मानसरोवर पत्रकार कॉलोनी के निकट दो सौ फीट रोड पर मंगलवार सुबह 5 बजे तेज रफ्तार में आ रही एक कार लगभग 50 मीटर घिसटते हुए फुटपाथ पर जाकर पलट गई। हादसे में कार सवार तीन लोग गंभीर घायल हो गए। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी।

125 पुलिस कार्मिकों का होगा सम्मान

जयपुर। पुलिस मुख्यालय की ओर से उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए महानिदेशक पुलिस डिस्क एवं प्रशस्ति रोल सूची की जारी की गई है। सूची में करीब 125 पुलिस कार्मिकों के नाम शामिल किए गए हैं। इसमें आईजी, एसपी, डीएसपी, उपनिरीक्षक, हेड कांस्टेबल आदि के नाम शामिल हैं। इन कार्मिकों ने ड्यूटी के दौरान अपराध, प्रशासन, कानून व्यवस्था व इंटेलीजेंस क्षेत्र में बेहतर कार्य करने पर डीजीपी उमेश मिश्रा सम्मानित करने की मंजूरी दी है।

स्टार लाइन की आज खुलेगी निविदा, एक्सप्रेस की 8 दिन बाद

रोडवेज अनुबंध पर लेगा 476 बसें

बेधड़क । जयपुर

प्रदेश में आचार संहिता हटने के बाद अटके सरकारी कामकाज ने गति पकड़नी शुरू कर दी है। रोडवेज में भी खरीदी जाने वाली व अनुबंध पर लिए जाने वाली नई बसों के लिए कवायद शुरू हो गई हैं। रोडवेज की ओर से अनुबंध पर ली जाने वाली 476 बसों के लिए भी काम शुरू हो गया है। इसमें 76 स्टार लाइन श्रेणी की एसी बसों की बुधवार को वित्तीय निविदा खोली जाएगी। साथ ही 400 एक्सप्रेस श्रेणी की बसों की भी अगले आठ-दस दिन बाद वित्तीय निविदा खोली जाएगी।

इससे पूर्व इन बसों की तकनीकी निविदा खोली जा चुकी है। इसके लिए टेंडर आचार संहिता से पहले हो चुके हैं। सब कुछ सही रहा तो रोडवेज प्रशासन को ये बसें अगले साल मार्च माह से पहले मिल जाएंगी। इधर, रोडवेज की तरफ परमानेंट खरीदी जाने वाली 590 बसों के लिए बस निर्माता कंपनियों से नेगोसिएशन का काम भी चल रहा है। बता दें कि रोडवेज के पास हाल फिलहाल 2800 बसें ही बची हैं। मौजूदा समय में रोडवेज के लिए नई बसों का आना किसी संजीवनी से कम नहीं है।

कई डिपो तो ऐसे हैं जहां नई बसों की तत्काल जरूरत है। दिल्ली में प्रदूषण मानकों के चलते बीएस-6 के अलावा सभी बसों के प्रवेश पर रोक लग चुकी है। ऐसे में अपने बेड़े में बीएस-6 श्रेणी की बसें बढ़ाने के लिए बसें अनुबंध पर लेना रोडवेज प्रशासन के लिए मजबूरी है। इसके बारे में रोडवेज के एमडी नथमल डिडेल का कहना है कि रोडवेज को नई बसों की तत्काल जरूरत है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। बसें आने से लोगों रोडवेज सुविधा का बेहतर लाभ मिल सकेगा।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बोले निवर्तमान मुख्यमंत्री

मुझे चिंता हारने की नहीं, इस बात की है कि अब देश का क्या होगा!

हमारा वोट शेयर कम नहीं हुआ, भाजपा ध्रुवीकरण में सफल हुई

बेधड़क । जयपुर

सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को लेकर एक सिंगल लाइन का प्रस्ताव पारित किया गया है। हमने फैसला हाईकमान पर छोड़ा है। हमारे यहां यह परिपाटी रही है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में हमारा वोट शेयर कम नहीं हुआ। पहले जो वोट शेयर था, वही आया है, लेकिन हमारे जो निर्दलीय जीते हुए थे उनका वोट शेयर बीजेपी की तरफ चला गया। हमने विकास और लोकल मुद्दों पर चुनाव लड़ा। बीजेपी ने यह चुनाव अलग तरीके से लड़ा। उन्होंने विकास की बात नहीं की। कन्हैया लाल को लेकर चुनाव लड़ा। राजस्थान में तरह-तरह की अफवाह फैलाई गई। गहलोत ने कहा, 'मेरा मानना था कि सरकार बन जाएगी। प्रदेश में सरकार के खिलाफ लहर नहीं थी। राजस्थान वह राज्य था, जहां सरकार के खिलाफ माहौल नहीं था, जबकि होता यह है कि जहां सरकार होती है, वहां बहुत कुछ सरकार के खिलाफ हो जाता है। भाजपा ध्रुवीकरण करने में सफल हुई।'

ज्यूडिशियरी की उड़ाई जा रही धज्जियां

गहलोत ने कहा कि हमें हारने की उतनी चिंता नहीं, जितनी इस बात की है कि देश में क्या होगा। देश में ज्यूडिशियरी की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। देश का लोकतंत्र किस दिशा में जा रहा है, यह सोचने की आवश्यकता है। कांग्रेस में अपनी भूमिका पर गहलोत ने कहा कि मेरी भूमिका पार्टी के साधारण कार्यकर्ता के रूप में रहेगी। मैंने सुझाव दिया है कि लोकसभा के लिए उम्मीदवार की तलाश अभी से हो। मेरा कार्यकर्ताओं से आह्वान है कि वे लोकसभा चुनाव की तैयारी करें।

मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएंगे

बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस अब मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगी। जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। कांग्रेस प्रदेश में जनता की आवाज बनकर काम करेगी।

योजनाएं जनता तक नहीं पहुंचा सके

बैठक में रामगढ़ से कांग्रेस विधायक और पूर्व राष्ट्रीय सचिव जुबैर खान ने कांग्रेस की हार को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी योजनाओं को हम नीचे के स्तर पर नहीं पहुंचा पाए, इसलिए चुनाव हारे। पार्टी की असली मजबूती होता है कार्यकर्ता।

जरूरी खबर

विवाह समारोह में उदयपुर आए सीएम योगी

उदयपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को उदयपुर आए। वे शाम को फ्लाइट से महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां से वाहन के जरिए चित्तौड़गढ़ जिले के भोपालसागर के लिए रवाना हो गए। वे यहां ठिकाना कांकरवा में दिग्विजय नाथ के परिवार में सुभाष सिंह राणावत की पुत्री तपस्या की शादी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान सीएम योगी का जोरदार स्वागत किया गया। वें यहां करीब एक घंटे तक रुके।

अब सड़कों पर सो रही गायों को ले जा रहे तस्कर

भरतपुर। जिले में गोतस्कर इस कदर बेखौफ हैं कि वह रात में सड़क पर सो रही गायों को लोडिंग गाड़ियों में बैठाकर ले जा रहे हैं। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें कुछ गोतस्कर एक गाय को लेकर जा रहे हैं। घटना देर रात की बताई जा रही है। वीडियो को एक युवक ने अपनी छत से बनाया है। मामला चिकसाना थाना इलाके में न्यू पुष्प वाटिका कॉलोनी का है। रात 2 बजे करीब सड़क पर कुछ गोवंश बैठे हुए थे। तभी वहां एक लोडिंग वाहन आकर रुका। उसमें से 2 गोतस्कर उतरे और सड़क पर बैठी गाय को वाहन में चढ़ा ले गए। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि गो तस्कर गाय को लोडिंग वाहन में लेकर जा रहे हैं।

गांव के पोखर में पड़ा मिला लापता किसान का शव

भरतपुर। कुम्हेर थाना इलाके में एक किसान का शव गांव के ही पोखर में पड़ा मिला। घटना अवार गांव की है। गांव का रहने राजू (45) खेत पर काम करने के लिए गया था, लेकिन वह वापस घर नहीं लौटा। राजू के परिजनों ने उसके मोबाइल पर फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। तलाशी के दौरान गांव के पोखर के पास राजू की चप्पल और मोबाइल पड़ा मिला। राजू के परिजनों को अंदेशा हुआ की। करीब 30 मिनट पोखर में तलाश के बाद राजू का शव पोखर में मिला। अंदेश जताया जा रहा है कि पैर फिसलने से वह पोखर में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

जोधपुर के महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउंडेशन पोलो मैदान पर आज होंगे इस सीजन के मुकाबले

पोलो सीजन-24 में देश-दुनिया के खिलाड़ी दिखाएंगे दम-खम

बेधड़क | जोधपुर

देश-दुनिया में प्रसिद्ध जोधपुर पोलो सीजन के 24वें सीजन का शुभारंभ बुधवार से होगा, जो 14 जनवरी तक चलेगा। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउंडेशन पोलो मैदान पर इस सीजन के मुकाबले होंगे।

जोधपुर पोलो एवं इक्वीस्टेरियन इंस्टीट्यूट मानद सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि पोलो सीजन-2023 में 6 टूर्नामेंट व 9 एक दिवसीय प्रदर्शन मैच खेले जाएंगे। इसके लिए खिलाड़ी पहुंच चुके हैं। इसमें 4 हैंडीकेप के सैय्यद शमशेर अली, पद्मनाभसिंह, सिद्धांत शर्मा, 3 हैंडीकेप के 61 कैवलरी से लेफटीनेंट कर्नल विशाल चौहान, 3 हैंडीकेप के ध्रुवपाल गोदारा, सैय्यद बशीर अली, अंगद कलान, 1 हैंडीकेप के सैय्यद हुर अली, मेजर मृत्युंजय सिंह, पूर्व खेलमंत्री अशोक चांदना, 0 हैंडीकेप के विक्रमादित्य सिंह बरकाना, हिम्मत सिंह बेदला, नवीन सिंह व नेवी से ऐपी सिंह शामिल होंगे।

इसके अलावा इंग्लैंड से 5 हैंडीकेप के डेनियल ओटामेंडी, 4 हैंडीकेप के लांस वाटशन दक्षिण अफ्रीका से, 4 हैंडीकेप के जोहान

डुप्रेज इंग्लैंड से भी शामिल हो रहे हैं। पोलो सीजन में चार टूर्नामेंट होंगे। इसमें 6 से 9 दिसम्बर को उम्मेद भवन पैलेस कप 4 गोल, एचएच महाराजा ऑफ जोधपुर कप 8 गोल 14 से 18 दिसम्बर, राजपूताना व सेन्ट्रल इण्डिया कप 8 गोल 19 से 24 दिसम्बर व 27 से 30 दिसम्बर के मध्य महाराजा ऑफ जोधपुर गोल्डन जुबली कप 8 गोल होगा। पोलो सीजन में दो क्लब टूर्नामेंट होंगे।

सीजन में 9 प्रदर्शन मैच भी खेले जाएंगे

इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि सीजन में 9 प्रदर्शन मैच खेले जाएंगे। इसमें 12 दिसंबर को मेजर ठाकुर सरदारसिंहजी जसोल मेमोरियल कप, 13 दिसम्बर को महाराजा सरदार सिंह मेमोरियल कप, 16 दिसम्बर को मथुरादास माथुर मेमोरियल पोलो कप, 20 दिसम्बर को इंडियन एयर फोर्स लोंगेवाला पोलो कप, 22 दिसम्बर को आर्मी कमांडर्स कप, 24 दिसम्बर को हरमीस कप, 25 दिसम्बर को भंवर बाईजीलाल वारा राजे पोलो कप व आबूषेर कप, 29 दिसम्बर को हिज हाईनेस महाराजा हनवंत सिंह कप होगा। उन्होंने बताया कि ये सभी मैच दोपहर 3 बजे होंगे।

जोधपुर के ये खिलाड़ी भी होंगे शामिल

पोलो सीजन के मुकाबलों में जोधपुर के पोलो खिलाड़ी भी शामिल होंगे। इनमें हर्षवर्धन सिंह भांवरी, जन्मेजय सिंह, कार्तिकिय सिंह, धनंजय सिंह, योगेश्वर सिंह, हेमन्द्र सिंह, निखिलेन्द्र सिंह, अंकुर मिश्रा, विश्वराज सिंह भाटी व पेप सिंह पोलो सीजन में खेलेंगे। इसके अलावा मेयो कॉलेज अजमेर के युवा खिलाड़ी शिवांश सिंह, शक्तावत, हर्षवर्धन सिंह सोढा, आर्यवर्धन सिंह चौहान, भूमिंजय सिंह राठौड़ भी भाग लेंगे।

प्रदेश में कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन, समाज में आक्रोश

गोगामेड़ी की हत्या के बाद समाज के लोगों में उबाल

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह की मंगलवार को उनके निवास पर बदमाशों की ओर गोली मारकर की गई हत्या के बाद समाज के लोगों में आक्रोश दिखा। जयपुर सहित प्रदेश के अनेक जिलों में राजपूत समाज के लोगों ने इस हत्याकांड के विरोध में आवाज बुलंद की। लोगों ने प्रदर्शन के दौरान हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार करने और ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेनावनी दी।

ए-श्रेणी की नाकाबंदी

गोगामेड़ी हत्या कांड के आरोपियों की धर-पकड़ के लिए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड़ पर आ गई। इसके तहत अलवर में ए-श्रेणी की नाकाबंदी की गई। कस्बा लक्ष्मणगढ़ हरसाना मोड़ पर नाकेबंदी के दौरान प्रत्येक संदिग्ध वाहन एवं व्यक्ति की जांच की गई। उधर नारायणपुर पुलिस ने भी ए श्रेणी की नाकाबंदी की। नारायणपुर थानाधिकारी सत्यनारायण गुर्जर ने पुलिस टीम के साथ देर शाम जयपुर, बानसूर, कोटपुतली तथा अलवर रोड पर ए श्रेणी की नाकाबंदी की गई।

अलवर हत्यारों का एनकाउंटर नहीं किया तो जलेगा राजस्थान

श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड के विरोध में अलवर शहर के नंगली सर्किल पर युवाओं ने रोड जाम कर दिया। यहां प्रदर्शन करने वाले युवाओं ने हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपियों का एनकाउंटर करने की मांग उठाते हुए कहा कि ऐसा नहीं किया तो पूरे राजस्थान में विरोध बढ़ेगा। धरने पर बैठे जोगेंद्र सिंह ने कहा कि मर्डर करने वालों का एनकाउंटर कर देना चाहिए, यही मांग है। इसके अलावा किसी भी मांग पर समझौता नहीं किया जा सकता। गोगामेड़ी को घर में घुसकर गोली मार दी, इसको बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

जैसलमेर हत्यारों को गिरफ्तार नहीं किया तो राजस्थान में बिगड़ेंगे हालात

सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड को लेकर जैसलमेर समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। हनुमान चौराहा पर करणी सेना के कार्यकर्ता और समाजबंधु एकत्र हुए। सेना के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्रसिंह भाटी के नेतृत्व विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष भाटी ने कहा आज का दिन काला दिवस है। उन्होंने कहा कि हत्यारो को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो राजस्थान में हालात बिगड़ेंगे। भाटी ने बताया कि घटना के विरोध में बुधवार को जैसलमेर बंद किया जाएगा। उधर जोधपुर में गोगामेड़ी हत्या कांड के विरोध में पावटा चौराहा पर विरोध प्रदर्शन किया गया। राजपूत समाज के नेता हनुमान सिंह खांगटा भी इसमें शामिल हुए। आक्रोशित लोगों ने टायर जलाकर हथियारों का पुतला फूंका। इस दौरान समाजबंधुओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग उठाई।

कोटा समाज बंधु रैली निकालकर पहुंचे एसपी ऑफिस

कोटा। श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में कोटा में भी राजपूत समाजबंधु सड़क पर उतर आए। करणी सेना व समाज के लोगों ने रैली निकाली और सिटी एसपी ऑफिस पहुंचकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और 24 घंटे में कार्रवाई नहीं होने पर देशभर में आंदोलन की चेतावनी दी। करणी सेना के जिलाध्यक्ष अभिनव सिंह हाड़ा ने कहा कि श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के संस्थापक सुखदेव सिंह गोगामेडी की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या की है। इस घटना से राजपूत समाज में रोष है। इस मामले में पुलिस प्रशासन को तुरंत एक्शन लेना चाहिए। ऐसे अपराधियों को कड़ी सजा देने के साथ ही उनके घरों पर बुलडोजर चलाना चाहिए। हमने 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।अगर कार्रवाई नहीं हुई तो राजस्थान ही नहीं पूरे देश में हिंसा भड़केगी।

पाली (सोजत) राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

गोगामेड़ी हत्याकांड को लेकर राजपूत समाज के आक्रोशित लोगों ने रैली निकाली। समाजबंधुओं ने एसडीएम गोपाल जांगिड़ को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग उठाई गई। साथ ही कहा कि अगर रातभर में हत्या के आरोपियो को गिरफ्तार नहीं किया तो बुधवार को सोजत बंद किया जाएगा।

आज इन जिलों में बंद का आह्वान

डूंगरपुर में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में बुधवार को आसपुर कस्बा बंद रखा जाएगा। आसपुर व्यापार संघ अध्यक्ष सुशील जैन ने बंद का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हत्याकांड के विरोध में सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठान बंद रखेंगे। इस दौरान सर्वसमाज के लोग प्रताप सर्किल पर एकत्र होंगे। एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसी प्रकार जैसलमेर में भी बुधवार को समाजबंधुओं ने बंद का आह्वान किया है। उधर पाली के सोजत में भी समाजबंधुओं ने बंद का आह्वान किया है। इसके तहत बुधवार को सोजत के बाजार बंद रहेंगे। उधर सिरोह और अजमेर भी करणी सेना की ओर से बुधवार को बंद का आह्वान किया गया है। चित्तोड़गढ़ में गोगामेड़ी की हत्या की सूचना के बाद समाजबंधु आक्रोशित हो उठे। कोटा-चित्तौड़गढ़ फोरलेन स्थित बस्सी टोल नाके पर लोगों ने प्रदर्शन किया। टोल नाके के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। पुलिस ने समझाइश कर जाम खुलवाया।

सफाई को लेकर अधिकारियों की लगाई क्लास

विधायक ने अस्पताल में गंदगी देख खुद किया टॉयलेट साफ

बेधड़क | दौसा

राजस्थान के इस विधानसभा चुनाव में भी राज बदलने का रिवाज कायम रहा और इस बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। इसके साथ ही चुनाव जीत चुके भाजपा के विधायक भी एक्टिव मोड पर दिख रहे हैं।

दौसा के बांदीकुई से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक भागचंद टांकडा जीत के तीसरे दिन एक्टिव मोड़ में नजर आए। विधायक टांकडा मंगलवार को अचानक बांदीकुई के उपजिला अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। यहां चिकित्सकों के कमरों पर ताला लटका मिला तो उन्होंने नाराजगी जताई। विधायक बनने के बाद पहली बार भागचंद टांकडा अपने शहर के निरीक्षण पर निकले। विधायक महिला वार्ड पहुंचे तो टॉयलेट में गंदगी देख सरकारी मशीनरी पर भड़क गए।

विधायक टांकडा ने अस्पताल के तमाम अधिकारी एवं कर्मचारियों को लताड़ लगाते हुए कहा कि इस तरह की गंदगी दोबारा नहीं दिखनी चाहिए। उसके बाद विधायक खुद टॉयलेट की सफाई करने में जुट गए। चिकित्सकों व कार्मिकों को नसीहत देते हुए कहा कि अब राज बदल गया है, तुम लोगों को रिवाज बदलना होगा। आमजन को बेहतर सुविधा देनी होंगी।

चंडीगढ़ से ले जा रहे थे गुजरात

कंटेनर से 60 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद

बेधड़क | झालावाड़

जिले में आबकारी विभाग ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत एक कंटेनर से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई है। कंटेनर से अवैध शराब की 568 पेटियों को जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

विभाग ने कंटेनर और शराब को जब्त कर लिया। जिला आबकारी अधिकारी परमानंद पाटीदार ने तस्करी कर ले जाई जा रही अवैध शराब की कीमत 60 लाख रुपए से अधिक बताई है। मामले में जानकारी देते हुए, जिला आबकारी अधिकारी परमानंद पाटीदार ने कहा कि सोमवार देर रात सूचना मिली थी कि चंडीगढ़ से एक कंटेनर में अवैध शराब भरकर उसे राजस्थान होते हुए गुजरात ले जाया जा रहा है। इस सूचना के बाद विभाग की ओर से झालावाड़ कोटा हाईवे पर नाकाबंदी करवाई गई। देर रात को नाकाबंदी के दौरान विभाग के कार्मिकों ने एक कंटेनर को रुकवाया और उसकी सघन तलाश ली गई। इसमें से 568 अवैध शराब की पेटिंयां मिली।

पाटीदार ने बताया कि अवैध शराब में विभिन्न ब्रांड्स की शराब है, जिस पर 'सेल फॉर ओनली चंडीगढ़' लिखा हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि अवैध शराब की तस्करी कर रहे कंटेनर के चालक गुरप्रीत सिंह और ओम प्रकाश को गिरफ्तार किया गया है।

हार्ट वॉल्व बदल JLN ने रचा कीर्तिमान

अजमेर। संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के चिकित्सकों ने एक बार फिर कीर्तिमान रच दिया है। इस बार कार्डियक सर्जन डॉ. प्रशांत कोठारी ने हृदय का वॉल्व बदलकर एक 50 वर्षीय मरीज को जीवनदान दिया है।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीर बहादुर सिंह ने बताया कि अस्पताल में 50 वर्षीय मरीज आया जो कई वर्षों से सांस की बीमारी से परेशान था। मेडिसिन विभाग ने हृदय रोग विभाग का रेफरेंस लिया। मरीज की इकोकार्डियोग्राफी की गई। उसमें मिट्रलवाल्व पूरी तरह से खराब और सिकुड़ा हुआ पाया गया। साथ ही दाहिने साइड के हार्ट का साइज बढ़ गया था। इसके बाद डॉ. प्रशांत कोठारी और उनकी टीम ने सर्जरी प्लान कर ऑपरेशन किया।

इसके बाद अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है। डॉ. सिंह ने कहा कि जयपुर के बाद अजमेर में यह सर्जरी चिरंजीवी योजना के तहत हुई है।

पश्चिमी विक्षोभ के खत्म होने के साथ ही सर्दी ने दिखाए तेवर

प्रदेश में अब दिन-रात के पारे में जारी रहेगी गिरावट, शुष्क रहेगा मौसम

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश मे पिछले दो सप्ताह से चले आ रहे कोहरे व बादल छाए रहने का दौर अब एक दो दिन में खत्म हो जाएगा। अब धीरे-धीरे सर्दी जोर पकड़ेगी। मंगलवार को पश्चिमी विक्षोभ का असर कम हुआ है, जिसके चलते अब मौसम में आगामी दिनों में बदलाव देखने को मिलेगा।

राजधानी जयपुर में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 12.7 व अधिकतम तापमान 23.3 रहा। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह में पारे में उतार चढ़ाव देखने को मिलेंगे। सर्दी जोर पकडेगी। इधर, मंगलवार को प्रदेश के 20 से ज्यादा जिले कोहरे की चपेट में रहे। सुबह घना कोहरा छाने से यहां विजिबिलिटी 100 मीटर से कम रही। जिससे आम जनजीवन प्रभावित रहा। मौसम विभाग की माने तो सप्ताह के अंत तक सर्दी अपने पूरे शबाब पर होगी। तेज ठंड होने से दिनचर्या प्रभावित होना तय है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में 7 दिसंबर के बाद से सर्दी बढ़ेगी। कोहरे के हटने व मौसम साफ होने से सर्दी तीखी होगी। दूसरी ओर प्रदेश में पिछले 2 सप्ताह से छाए कोहरे का असर मंगलवार को भी देखने को मिला।

प्रदेश में जयपुर के अलावा जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर, दौसा समेत कई शहरों में कोहरा छाया रहा। बीकानेर और गंगानगर

के एरिया में कोहरा छाने के साथ हल्की सर्द हवाएं चलने से तापमान में गिरावट हुई है। मौसम विभाग ने बुधवार को हनुमानगढ़, अलवर, भरतपुर के एरिया में कहीं-कहीं बादल छाने व घने कोहरे की आंशका जताई है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि राज्य में एक-दो दिन ऐसे ही कोहरा व बादल छाए रहेंगे। 7 दिसंबर से मौसम साफ होने लगेगा और सर्दी के तेवर तेज होंगे।

कोहरा छाने से घटी विजिबिलिटी

राजस्थान के सीकर, चूरू, झुंझुनूं, गंगानगर समेत कई शहरों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाने से यहां विजिबिलिटी 100 मीटर से कम रह गई। कोहरे के कारण शेखावाटी में बाइपास पर गाड़ियों की रफ्तार भी प्रभावित रही। कोहरे के कारण इन शहरों में ह्यूमिडिटी का लेवल भी सुबह 70 फीसदी से ऊपर रहा। कोहरे, धुंध के कारण यहां मंगलवार को भी सूरज की चमक हल्की रही।

मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस अब कम हो जाएगा। इससे राजस्थान समेत उत्तर भारत और मध्य भारत के राज्यों के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा तापमान गिर सकता है।

CBSE ने किए बोर्ड परीक्षा के पैटर्न में बदलाव, स्टूडेंट्स के फीडबैक के आधार पर किए नए प्रावधान

स्पोर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए होगी अलग से एग्जाम की व्यवस्था

बेधड़क | जयपुर

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन (सीबीएसई) की परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स को इस बार परीक्षा के पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे। बोर्ड ने स्टूडेंट्स के फीडबैक के आधार पर इस बार बोर्ड परीक्षा के पैटर्न में कई बदलाव किए हैं।

सीबीएसई ने नोटिफिकेशन जारी कर इस संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार अब बोर्ड की 10वीं व 12वीं की परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स को मिलने वाले कुल अंक, डिवीजन या पर्सेंटेज नहीं बताई जाएगी। स्टूडेंट्स को किसी विषय में मिलने वाली डिस्टिंक्शन भी अब मार्कशीट में देखने को नहीं मिलेगी।

इसके अलावा अकाउंटेंसी सब्जेक्ट का एग्जाम देने वाले स्टूडेंट्स को एग्जाम में टेबल बनी हुई आंसर बुक नहीं मिलेगी। बोर्ड के मुताबिक अकाउंटेंसी के स्टूडेंट्स को दी जाने वाली आंसर बुक जिसमें टेबल्स बनी होती थी, वह अब नहीं दी जाएगी। इन स्टूडेंटस को अब दूसरे सब्जेक्ट्स की तरह नॉर्मल लाइन्स वाली आंसर बुक दी जाएगी।

स्टूडेंट्स के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए पहल

किसी भी प्रकार के स्पोर्ट्स में नेशनल या इंटरनेशनल इवेंट्स या इंटरनेशनल ओलंपियाड में भाग लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए अब 10वीं और 12वीं के स्पेशल एग्जाम की व्यवस्था की जाएगी। यह व्यवस्था मुख्य परीक्षा के लिए ही होगी, कंपार्टमेंट और प्रैक्टिकल एग्जाम्स कैंडिडेट्स को तय टाइम टेबल के मुताबिक ही देने होंगे। बोर्ड के मुताबिक स्कूल स्टूडेंट्स में खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने और इसके माध्यम से स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए यह व्यवस्था की गई है। बोर्ड के मुताबिक स्पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) और बोर्ड ऑफ क्रिकेट कंट्रोल इन इंडिया (BCCI) की ओर से मान्यता प्राप्त खेलों में भाग लेने वाले व होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (HBCSE) द्वारा मान्यता प्राप्त इंटरनेशनल ओलंपियाड में जाने वाले स्टूडेंट्स ही इस सुविधा का लाभ ले पाएंगे।

नए सत्र से साल में दो बार होंगे एग्जाम

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP)- 2020 के अनुसार नए सत्र से साल में दो बार बोर्ड एग्जाम आयोजित किए जाएंगे। स्टूडेंट्स को सुविधा दी जाएगी कि वे इन दोनों एग्जाम्स में से किसी एक के स्कोर को एडोप्ट कर आगे बढ़ सकेंगे। जानकारी के मुताबिक एनईपी के तहत नए करिकुलम का फ्रेमवर्क तैयार हो चुका है। अगले वर्ष नए सत्र में यह फ्रेमवर्क लागू कर दिया जाएगा। इसमें 11वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स को एक दो लैंग्वेज पढ़नी होंगी।

Yuva स्टोरीज

बेहतरीन काम के लिए डॉ. शर्मा सम्मानित

बेधड़क | जयपुर

'राजस्थान में शिक्षा के बढ़ते कदम' कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शिक्षा निदेशालय में कार्यरत जिला शिक्षा अधिकारी अरुण शर्मा को केंद्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। शर्मा को ये अवार्ड शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए दिया गया है। दिल्ली में आयोजित एक समारोह में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शर्मा को इस अवार्ड के तहत प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम के लिए पिछले 66 सप्ताह से लगातार प्रतिदिन एक घंटे ऑनलाइन वेबिनार आयोजित की गई। अरुण शर्मा को इसी सीरीज में बेहतरीन काम के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. धर्मेंद्र प्रधान के हाथों राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। यह पुरस्कार लेने वालों में राजस्थान से वह अकेले शिक्षाविद हैं।

पिछले 21 वर्षों से निदेशालय में विभिन्न विभागों में काम कर चुके डॉ. अरुण शर्मा मनोविज्ञान के विद्यार्थी हैं। उनके द्वारा अध्ययन अध्यापन के क्षेत्र में किए जा गए नवाचार सराहे जाते रहे हैं। वे राज्य की तरफ से राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा परिषद के सदस्य भी हैं। साहित्य में रुचि रखने वाले शर्मा पिछले दो दशक से प्रारम्भिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा दोनों क्षेत्रों में काम कर चुके हैं।

CGL टियर-2 का फाइनल रिजल्ट जारी

बेधड़क | जयपुर

एसएससी ने कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (CGL) टियर-2 परीक्षा 2023 का फाइनल रिजल्ट घोषित कर दिया है। परीक्षा दे चुके कुल 77 हजार 859 कैंडिडेट्स को रिजल्ट में शॉर्टलिस्ट किया गया है। कैंडिडेट अपना रिजल्ट SSC की ऑफिशियल वेबसाइट ssc.nic.in पर देख सकते हैं। SSC CGL का नोटिफिकेशन इस वर्ष अप्रैल में जारी किया गया था। इस परीक्षा के तहत AAO, JSO, स्टैटिस्टिकल इंवेस्टिगेटर (SI) ग्रेड-II और अन्य पदों पर कुल 8415 वैकेंसी निकाली गई थी। SSC CGL टियर-1 का एग्जाम 14 से 27 जुलाई तक कंप्यूटर बेस्ड मोड में लिया गया था जिसका रिजल्ट 19 सितंबर को जारी हुआ था। 81 हजार 752 स्टूडेंट्स ने टियर 2 के लिए क्वालिफाई किया था। टियर-2 की परीक्षा 26 और 27 अक्टूबर को हुई थी। टियर 2 परीक्षा में पेपर-1 के सेक्शन 1 और 2 में प्रदर्शन के आधार पर कैंडिडेट को सेक्शन 3 या कंप्यूटर नॉलेज टेस्ट (CKT) और डेटा एंट्री स्पीड टेस्ट (DEST) के मूल्यांकन के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। यह फाइनल रिजल्ट स्टैटिस्टिकल इंवेस्टिगेटर (SI) ग्रेड-II को छोड़कर सभी के लिए है। स्टैटिस्टिकल इंवेस्टिगेटर (SI) ग्रेड-II को छोड़कर सभी पदों के लिए कंप्यूटर नॉलेज टेस्ट (CKT) और डेटा एंट्री स्पीड टेस्ट (DEST) के मूल्यांकन के लिए कुल 39 हजार 273 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया था।

एसएससी की गाइडलाइन के अनुसार, सेक्शन-1 और सेक्शन-2 में क्वालिफाई नहीं करने वाले कैंडिडेट सेक्शन 3 के मूल्यांकन के पात्र नहीं होंगे। साथ ही CGL-2023 के लिए कोई रिजर्व या वेटिंग लिस्ट नहीं है। कमीशन की ओर से जल्द ही इस परीक्षा की आंसर की जारी की जाएगी।

अपेक्स यूनिवर्सिटी में 'द फ्यूचर ऑफ ट्रेशन'

स्टूडेंट्स ने क्रिएटिविटी से वेस्ट को बनाया बेस्ट

बेधड़क | जयपुर

जिस सामान को बेकार समझ कर अनुपयोगी मान लिया जाता है, उसी सामान को जब स्टूडेंट्स ने अपनी क्रिएटिविटी के माध्यम से फैशन के रंगों में रंग कर अलग रूप दिया तो सबने दांतों तले अंगुली दबा ली। फैशन के ये अनूठे रंग बिखरे अपेक्स यूनिवर्सिटी के फैशन एंड डिजाइनिंग डिपार्टमेंट की ओर से आयोजित तीन दिवसीय वर्कशाप में।

'द फ्यूचर ऑफ ट्रेशन' थीम पर आयोजित वर्कशॉप में अपेक्स यूनिवर्सिटी के साथ ही पोद्दार, वीजीयू, जेइसीआरसी सहित अन्य कॉलेजो तथा यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स ने ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। वर्कशॉप में अनुपयोगी सामग्री को फैशन के माध्यम से उपयोग करने पर जोर दिया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने वेस्ट मटीरियल के उपयोग से कई प्रकार की ड्रेसेज तैयार कीं।

स्टूडेंट्स ने अपनी ड्रेसेज का किया प्रदर्शन

इस दौरान फैशन शो का भी आयोजन किया गया जिसमें रैंप पर कैटवॉक कर स्टूडेंट्स ने अपनी ड्रेसेज का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सिपेट के डायरेक्टर व हैड संजय चौधरी, वनस्थली यूनिवर्सिटी के डिजाइनिंग डिपार्टमेंट के सीनियर फैकल्टी नीरज शर्मा, टेक्सटाइल पार्क के मैनेजिंग डायरेक्टर विक्रम जोशी, वीविंग सर्विस सेंटर के डिप्टी डायरेक्टर तपन शर्मा, सीनियर एनवायर्नमेंट इंजीनियर शशि चौधरी सहित विभिन्न गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में वर्कशॉप

रिसर्च मैथडोलॉजी से अपडेट हुए टीचर्स

बेधड़क | जयपुर

जयपुर। पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल, ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस और फैकल्टी ऑफ डिजाइन एंड आर्ट की ओर से 'रिचर्स मैथडोलॉजी' विषय पर वर्कशॉप आयोजित की गई। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख आर्ट कॉलेज- एडिलेड सेंट्रल स्कूल ऑफ आर्ट के सीनियर लेक्चरर और यूनेस्को रीला से संबद्ध कलाकार डॉ. डेनियल कॉनेल वर्कशॉप के मुख्य वक्ता थे। वर्कशॉप का आयोजन प्रतिभागी करीब 50 फैकल्टी मेंबर्स की रिसर्च स्किल्स विकसित करने और रिचर्स मैथडोलॉजी से संबंधित लेटेस्ट जानकारियों से अपडेट करने के उद्देश्य से किया गया ताकि प्रतिभागी अपने रिसर्च वर्क के प्रति नवीन दृष्टिकोण बना सकें।

डॉ. डेनियल कॉनेल ने प्रतिभागियों के शोध प्रयासों को सशक्त बनाने के लिए अपना व्यापक ज्ञान व अनुभव साझा किया और रिचर्स मैथडोलॉजी की अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर जोर दिया। उन्होंने वास्तविक दुनिया के उदाहरणों और केस स्टडीज की जानकारी दी, जिससे फैकल्टी मेंबर्स को रिसर्च क्षेत्रों में थ्योरिटिकल नॉलेज लागू करने में मदद मिली।

पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के इंटरनेशनल रिलेशंस की डीन डॉ. स्वाति गोखरू और भाग्यश्री दाधीच ने मुख्य वक्ता एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। पीयू आईक्यूएसी के डॉ. अंकुश जैन ने इस वर्कशॉप को भविष्य में रिसर्च की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहायक बताया। अंत में एफडीए के डॉ. जितेंद्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रो. रामावतार ने संभाला विभागाध्यक्ष का पद

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के विभागाध्यक्ष के पद पर मंगलवार को प्रोफेसर (डॉ.) राम अवतार शर्मा ने पदभार संभाला। प्रो. शर्मा को राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने आदेश जारी करके बॉटनी विभाग के विभागाध्यक्ष के पद पर 5 दिसम्बर से आगामी 3 साल के लिए नियुक्त किया है। आदेश के बाद प्रो. शर्मा ने विश्वविद्यालय कैंपस में स्थित बॉटनी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रेखा विजयवर्गीय

से कार्यभार लिया। इस मौके पर प्रो. शर्मा ने कहा कि उनकी सबसे पहली प्राथमिकता विश्वविद्यालय के सभी विभागों में बॉटनी विभाग को पहले स्थान पर लाना है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ अन्य शिक्षकों ने भी प्रो. शर्मा को बधाई दी।

उपलब्धि | देश के चार विश्वविद्यालयों ने बनाई टॉप-100 में जगह

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में डीयू देश में टॉप पर

बेधड़क | नई दिल्ली

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग-2024 में जगह बनाने वाले 56 भारतीय विश्वविद्यालयों में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) शीर्ष पर है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह घोषणा की। डीयू के बाद भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई और मद्रास हैं।

इस रैंकिंग में विश्वस्तर पर टोरंटो विश्वविद्यालय ने पहली रैंक हासिल की है, उसके बाद कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले (यूसीबी) और मैनचेस्टर विश्वविद्यालय क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषक क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा

संकलित 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंगः सस्टेनेबिलिटी 2024' में 95 देशों और क्षेत्रों के 1397 संस्थान शामिल हैं, जो पिछले साल के प्रायोगिक संस्करण में प्रदर्शित संख्या के दोगुने से भी अधिक हैं। इस रैंकिंग के तहत विश्वविद्यालयों का आकलन सामाजिक प्रभाव, पर्यावरणीय प्रभाव और शासन के आधार पर किया जाता है और देखा जाता है कि विश्वविद्यालय दुनिया की सबसे गंभीर वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए कैसे कार्रवाई कर रहे हैं। क्यूएस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बेन सोटर ने रैंकिंग जारी करते हुए कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जकों में से एक के रूप में, एक विकट चुनौती का सामना कर रहा है और 2070 तक शुद्ध शून्य (उत्सर्जन) का लक्ष्य हासिल करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए भारी जिम्मेदारी उठा रहा है।

इस संदर्भ में भारतीय विश्वविद्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि उनकी संख्या में विस्तार और गुणवत्ता में सुधार जारी है। रैंकिंग में दुनिया के शीर्ष 100 में चार भारतीय विश्वविद्यालय शामिल हैं, जिनमें वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) 49वें स्थान के साथ एशिया के शीर्ष 10 संस्थानों में शामिल है।

IIT मुंबई की देश में दूसरी रैंक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई ने क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग-2024 में देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस संस्थान की एशिया में 50वीं व वैश्विक स्तर पर 303वीं रैंक है। संस्थान ने क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग- 2024 के 'पर्यावरणीय प्रभाव प्रदर्शन' में 218वां, 'सामाजिक प्रभाव प्रदर्शन' में 439वां और 'गवर्नेंस' श्रेणी में 655वां स्थान हासिल किया। पिछले साल संस्थान को भारत में पहला स्थान मिला था। संस्थान के उप निदेशक (शैक्षणिक और बुनियादी ढांचागत मामले) प्रो. एस सुदर्शन ने बताया कि आईआईटी मुंबई के पास जलवायु, सौर ऊर्जा, बैटरी प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन और कार्बन कैप्चर और उपयोग पर सक्रिय और बहुत सफल अनुसंधान कार्यक्रम हैं, जो हमारे ग्रह को दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ बनाने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, आईआईटी मुंबई ने अपने कैंपस में सौर ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। यह कैंपस अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है, जिसमें वनस्पति और जीव दोनों शामिल हैं, जिसे परिसर ने पिछले कुछ वर्षों में संरक्षित और बेहतर बनाया है।

लोकतांत्रिक कर्मकांड में पूर्णाहुति डालेगा हाईकमान

गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

> मुख्यमंत्री पद पर कौन आसीन होगा? इसके उत्तर में भाजपा के पाले से नामों की फेहरिस्त हवा में तैरने लगी है। अंदरखाने खुसर-फुसर की ध्वनि गुंजित हो रही है- पर भावी उद्घोष के लिए सभी की निगाह एक ही जगह केन्द्रित हैं- वह सितारा है- नरेंद्र मोदी, जिनके नाम पर यह चुनावी अनुष्ठान समर्पित था। मुख्यमंत्री की नेम प्लेट भी उन्हें बनानी है, ज्यादा से ज्यादा वह अपने जोड़ीदार गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजस्थान भाजपा प्रभारी प्रकार अरुण सिंह और चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी से चर्चा कर सकते हैं।

आयु वर्ग में सोलहवां साल कमसिन माना जाता है। और यही अवधारणा सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के गठन से भी चिपक गई है। निर्वाचन विभाग ने राज्यपाल महोदय को नवनिर्वाचित विधायकों की सूची सौंप दी है, जिसमें उनकी दलगत अथवा निर्दलीय जुड़ान का उल्लेख है।

वैधानिक प्रक्रिया की अनुपालना में बहुमत प्राप्त दल अपने नेता का चुनाव कर सरकार बनाने का दावा राज्यपाल के समक्ष करेगा और शपथ के साथ सरकार गठित होने का मार्ग प्रशस्त होगा। सभी चुनावी अनुमानों की गफलत में प्रदेश में रिवाज की अपेक्षा राज बदल गया। इसके साथ नवगठित सरकार का मुखिया कौन होगा यह यक्ष प्रश्न भी सामने है। चूंकि दो सौ सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में एक निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्याशी के निधन से चुनाव स्थगित होने से 199 सदस्य चुने गए हैं, पर यहां 99 का फेर नहीं है। भारतीय जनता पार्टी को 115 विधायकों का समर्थन स्पष्ट बहुमत का प्रतीक है और कमोबेश निर्वाचित बागी सदस्यों का समर्थन भी उसे मिल जाएगा। ऐसे में मुख्यमंत्री पद पर कौन आसीन होगा? इसके उत्तर में भाजपा के पाले से नामों की फेहरिस्त हवा में तैरने लगी है। अंदरखाने खुसर-फुसर की ध्वनि गुंजित हो रही है, पर भावी उद्घोष के लिए सभी की निगाह एक ही जगह केन्द्रित हैं- वह सितारा है- नरेंद्र मोदी, जिनके नाम पर यह चुनावी अनुष्ठान समर्पित था। मुख्यमंत्री की नेम प्लेट भी उन्हें बनानी है, ज्यादा से ज्यादा वह अपने जोड़ीदार गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, राजस्थान भाजपा प्रभारी प्रकार अरुण सिंह और चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी से चर्चा कर सकते हैं।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासनकाल से मुख्यमंत्री का मनोनयन पार्टी हाईकमान के फरमान से होने लगा। इसे लोकतांत्रिक जामा पहनाने के लिए विधायक दल की बैठक, पर्यवेक्षकों द्वारा विधायकों से रायशुमारी अथवा हाईकमान पर निर्णय छोड़ने का कर्मकांड भी एक धारावाहिक बन गया है। पर हाईकमान कौन-क्या है, इसकी गुत्थी कभी नहीं सुलझ पाई। इस कथा को आगे बढ़ाते हुए इंदिरा गांधी के हाईकमान के एक फरमान की चर्चा कर ली जाए।

विधायकों ने तीन विकल्प दिए, चौथा बना मुख्यमंत्री: तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया के त्यागपत्र का दिन था। संयोगवश मैं जोधपुर से जयपुर आया हुआ था। पत्रकार संगठन जार की बैठक के लिए। एनयूजेआई के राष्ट्रीय महासचिव केएन मलिक से बैठक के पश्चात भावी मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर चर्चा होने लगी। साथियों ने कई नाम सुझाए, अंत में हमने शिवचरण माथुर के नाम का उल्लेख किया। इसके कारणों की तह में कथा लंबी होगी। लिहाजा मूल मुद्दे पर आते हैं। बाद में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। पर्यवेक्षकों की रायशुमारी में 44 विधायकों ने परसराम मदेरणा, सात ने हरिदेव जोशी और शेष ने पार्टी हाईकमान का निर्णय मानने की बात कही और लॉटरी खुली शिवचरण माथुर के नाम। तो ऐसा कमाल होता है- हाईकमान का।

अब मतदाता इसका इंतजार कर रहे हैं कि हमारे द्वारा चुने गए विधायक अपना मुखिया कैसे चुनते हैं। भाजपा विधायक दल की पहली बैठक के लिए पर्यवेक्षक भेजेगी, नवनिर्वाचित विधायकों की पसंद-नापसंद जानी जाएगी और इस लोकतांत्रिक कर्मकांड को पूर्णाहुति हाईकमान द्वारा की जाएगी। अब इस दंगल में कौन विजेता बनेगा, यह तो समय बताएगा। लेकिन ताल ठोकने की तैयारी में सभी जुट गए हैं। दवाब की राजनीति का पैंतरा भी पसर रहा है। सिविल लाइंस भी आबाद हो रहा है।

पिछले सरकार में भी हुई थी दबाव की राजनीति: दवाब की राजनीति से याद आया पिछले चुनाव परिणाम का परिदृश्य- कांग्रेस के 99 विधायक चुने गए। आरएलडी गठबंधन से एक सदस्य था। कांग्रेस के आठ बागी सिविल लाइंस बंगले पर जमा हुए। हाईकमान को यही संदेश देना था कि अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाने पर हमारा समर्थन मिल पाएगा। प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट के हाथ से बाजी निकल गई। अब भाजपा भी उसी नक्शे कदम पर है- देखना यही है कि भाजपा हाईकमान किस चेहरे पर मेहरबान होगा। नया या पुराना?

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

महापरिनिर्वाण दिवस विशेष

संवैधानिक भारत के शिल्पकार अंबेडकर

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> रूढ़िवादी हिंदू नेताओं, कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं तथा पंडित मदन मोहन मालवीय ने अंबेडकर और उनके समर्थकों के साथ यरवदा में संयुक्त बैठकें की। अनशन के कारण गांधी की मृत्यु होने की स्थिति में, होने वाले सामाजिक प्रतिशोध के कारण होने वाली अछूतों की हत्याओं के डर से और गांधी के समर्थकों के भारी दबाव के चलते अंबेडकर ने अपनी पृथक निर्वाचिका की मांग वापस ले ली।

इंग्लैंड से लौटने के बाद जब डॉ. अंबेडकर ने भारत की धरती पर कदम रखा तो समाज में छुआछुत और जातिवाद चरम पर था। उन्हें लगा कि यह सामाजिक कुप्रवृत्ति और खंडित समाज देश को कई हिस्सों में तोड़ देगा। सो उन्होंने हाशिए पर खड़े अनुसूचित जाति-जनजाति एवं दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग कर परोक्ष रुप से समाज को जोड़ने की दिशा में पहल तेज कर दी। अपनी आवाज को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने 1920 में, बंबई में साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरुआत की जो शीघ्र ही पाठकों में लोकप्रिय हो गया। दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान उनके दिए गए भाषण से कोल्हापुर राज्य का स्थानीय शासक शाहु चतुर्थ बेहद प्रभावित हुआ और डॉ. अंबेडकर के साथ उसका भोजन करना रुढ़िवाद से ग्रस्त भारतीय समाज को झकझोर दिया।

डॉ. अंबेडकर मुख्यधारा के महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों को जाति व्यवस्था के उन्मूलन के प्रति नरमी पर वार करते हुए उन नेताओं की भी कटु आलोचना की जो अस्पृश्य समुदाय को एक मानव के बजाए करुणा की वस्तु के रुप में देखते थे। ब्रिटिश हुकूमत की विफलताओं से नाराज अंबेडकर ने अस्पृश्य समुदाय को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए एक ऐसी अलग राजनीतिक पहचान की वकालत की, जिसमें कांग्रेस और ब्रिटिश दोनों का कोई दखल न हो। 8 अगस्त, 1930 को उन्होंने एक शोषित वर्ग के सम्मेलन के दौरान अपनी राजनीतिक दृष्टि को दुनिया के सामने रखा और कहा कि 'हमें अपना रास्ता स्वयं बनाना होगा और स्वयं राजनीतिक शक्ति शोषितों की समस्याओं का निवारण नहीं हो सकती। उनको शिक्षित करना चाहिए, उनका उद्धार समाज में उनका उचित स्थान पाने में निहित है। उनको अपना रहने का बुरा तरीका बदलना होगा। उनको शिक्षित होना चाहिए।

एक बड़ी आवश्यकता उनकी हीनता की भावना को झकझोरने और उनके अंदर दैवीय असंतोष की स्थापना करने की है, जो सभी ऊंचाइयों का स्रोत है। डॉ. अंबेडकर सिर्फ हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक भेदभाव के ही विरोधी नहीं थे बल्कि वे इस्लाम धर्म में व्याप्त बाल विवाह की प्रथा और महिलाओं के साथ होने वाले दुव्यवहार के भी कटु आलोचक थे। उन्होंने लिखा है कि 'मुस्लिम समाज में तो हिंदू समाज से भी कहीं अधिक बुराइयां हैं और मुसलमान उन्हें भाईचारे जैसे नरम शब्दों के प्रयोग से छिपाते हैं।'

उन्होंने मुसलमानों द्वारा अर्जल वर्गों के खिलाफ भेदभाव जिन्हें निचले दर्जे का माना जाता था, के साथ मुस्लिम समाज में महिलाओं के उत्पीड़न की दमनकारी पर्दा प्रथा की जबरदस्त निंदा की। डॉ. अंबेडकर स्त्री-पुरुष समानता के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने इस्लाम धर्म में स्त्री-पुरुष असमानता का जिक्र करते हुए कहा कि 'बहुविवाह और रखैल रखने के दुपरिष्णाम शब्दों में व्यक्त नहीं किए जा सकते जो विशेष रुप से एक मुस्लिम महिला के दुख के स्रोत हैं।

जाति व्यवस्था को ही लें, हर कोई कहता है कि इस्लाम गुलामी और जाति से मुक्त होना चाहिए, जबकि गुलामी अस्तित्व में है और इसे इस्लाम और इस्लामी देशों से समर्थन मिला है। इस्लाम में ऐसा कुछ नहीं है जो इस अभिशाप के उन्मूलन का समर्थन करता हो। अगर गुलामी खत्म हो जाए फिर भी मुसलमानों के बीच जाति व्यवस्था रह जाएगी।' उन्होंने इस्लाम में उस कट्टरता की भी आलोचना की जिसके कारण इस्लाम की नीतियों का अक्षरशः अनुपालन की बद्धता के कारण समाज बहुत कट्टर हो गया है। उन्होंने लिखा है कि 'भारतीय मुसलमान अपने समाज का सुधार करने में विफल रहे हैं जबकि इसके विपरित तुर्की जैसे इस्लामी देशों ने अपने आपको बहुत बदल लिया।' राष्ट्रवाद के मोर्चे पर डॉ. अंबेडकर बेहद मुखर थे।

उन्होंने विभाजनकारी राजनीति के लिए मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग दोनों की कटु आलोचना की। हालांकि शुरुआत में उन्होंने पाकिस्तान निर्माण का विरोध किया किंतु बाद में मान गए। इसके पीछे उनका तर्क था कि हिंदुओं और मुसलमानों को पृथक कर देना चाहिए क्योंकि एक ही देश का नेतृत्व करने के लिए जातीय राष्ट्रवाद के चलते देश के भीतर और अधिक हिंसा होगी। वे कतई नहीं चाहते थे कि भारत स्वतंत्रता के बाद हर रोज रक्त से लथपथ हो। वे हिंसामुक्त समानता पर आधारित समाज के पैरोकार थे। दरअसल अंबेडकर ही एकमात्र राजनेता थे जो छुआछुत की निंदा करते थे। जब 1932 में ब्रिटिश हुकूमत ने उनके साथ सहमति व्यक्त करते हुए अछूतों को पृथक निर्वाचिका देने की घोषणा की तब महात्मा गांधी ने इसके विरोध में पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में आमरण अनशन शुरु कर दिया। यह अंबेडकर का प्रभाव ही था कि गांधी ने अनशन के जरिए रुढ़िवादी हिंदू समाज से सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता को खत्म करने की अपील की। रुढ़िवादी हिंदू नेताओं, कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं तथा पंडित मदन मोहन मालवीय ने अंबेडकर और उनके समर्थकों के साथ यरवदा में संयुक्त बैठकें की। अनशन के कारण गांधी की मृत्यु होने की स्थिति में, होने वाले सामाजिक प्रतिशोध के कारण होने वाली अछूतों की हत्याओं के डर से और गांधी के समर्थकों के भारी दबाव के चलते अंबेडकर ने अपनी पृथक निर्वाचिका की मांग वापस ले ली। इसके बदले में अछूतों को सीटों के आरक्षण, मंदिरों में प्रवेश-पूजा के अधिकार एवं छुआछुत समाप्त करने की बात स्वीकार ली गयी। गांधी ने भी इस उम्मीद पर कि सभी सवर्ण भी पूना संधि का आदर कर सभी शर्तें मान लेंगे अपना अनशन समाप्त कर दिया। गौरतलब है कि आरक्षण प्रणाली में पहले दलित अपने लिए संभावित उम्मीदवारों में से चुनाव द्वारा चार संभावित उम्मीदवार चुनते और फिर इन चार उम्मीदवारों में से फिर संयुक्त निर्वाचन चुनाव द्वारा एक नेता चुना जाता।

उल्लेखनीय है कि इस आधार पर सिर्फ एक बार 1937 में चुनाव हुए। अंबेडकर चाहते थे कि अछूतों को कम से कम 20-25 साल आरक्षण मिले जबकि कांग्रेस के नेता इसके पक्ष में नहीं थे। उनके विरोध के कारण यह आरक्षण मात्र पांच साल के लिए लागू हुआ। अस्पृश्यता के खिलाफ अंबेडकर की लड़ाई को भारत भर से समर्थन मिलने लगा और उन्होंने अपने रवैया और विचारों को रुढ़िवादी हिंदुओं के प्रति अत्यधिक कठोर कर लिया। भारतीय समाज की रुढ़िवादिता से नाराज होकर उन्होंने नासिक के निकट येओला में एक सम्मेलन में बोलते हुए धर्म परिवर्तन करने की अपनी इच्छा प्रकट कर दी। उन्होंने अपने अनुयायिओं से भी हिंदू धर्म छोड़ कोई और धर्म अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने अपनी इस बात को भारत भर में कई सार्वजनिक स्थानों पर दोहराया भी। 14 अक्टूबर 1956 को उन्होंने एक आमसभा का आयोजन किया जहां उन्होंने अपने पांच लाख अनुयायिओं का बौद्ध धर्म में रुपान्तरण करवाया। तब उन्होंने कहा कि मैं उस धर्म को पसंद करता हूं जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे का भाव सिखाता है।

सच कहें तो डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर भारत राष्ट्र के महान शिल्पकार और सामाजिक एकता के प्रबल सूत्रधार थे। वे इसके लिए जीवन भर प्रयास करते रहे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

जीवन में कुत्तों का खलल

ब्रजेश कानूनगो
व्यंगकार

अक्सर वीकेंड पर साधुरामजी और मैं लांग ड्राइव के लिए निकल जाते हैं। इससे मेरी पुरानी कार भी हमारे साथ थोड़ी सी ताजगी प्राप्त कर लेती है। साधुरामजी के साथ देश दुनिया की खट्टी मीठी खबरों की चर्चा करके हम भी नई ताजगी से भर जाते हैं। बड़ा आनंद आता है। 'इन दिनों हमारे यहां कुत्तों ने बड़ा आतंक मचाया हुआ है बंधु!' साधुरामजी ने कार में बैठते ही चर्चा के विषय को आगे बढ़ाया।

'हां,बिलकुल! अभी हाल ही में एक बच्चे को लिफ्ट में पालतू कुत्ते ने काट लिया। थोड़े दिन पहले एक सुरक्षा गार्ड को घायल कर दिया। हर कहीं लोग कुत्तों के इस खतरनाक व्यवहार से चिंतित हैं। हमारे जीवन में इनका अवांछित अतिक्रमण सबको परेशान कर रहा है।' मैने कार स्टार्ट करते हुए कहा। 'कुछ न कुछ इनका करना ही पड़ेगा!' साधुरामजी बोले। तभी एक पिल्ले ने मेरी कार के सामने आकर खुदकुशी करने का विचार बनाया। मैं कह नहीं सकता किस वजह से उसने मेरी ही कार को आत्महत्या का माध्यम बनाया होगा। 'कुत्ता कहीं का, इसे मेरी ही कार मिली मरने के लिए!' घबराहट में मेरे मुंह से उसके लिए कुत्ते की ही गाली निकली। मुझे गुस्से के साथ साथ एतराज भी था कि वह इंसानों के लिए बनाई गई सड़क पर आया ही क्यों!' 'तुम्हारा मतलब है कि जब कुत्ते के पिल्ले कोई सड़क पार करें तब उन्हे इतना अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि वह उनके बाप दादा की जागीर नही है कि यहाँ वहाँ ताकते हुए उस पर आराम से चहल कदमी करते फिरें।

सड़क सरकार मनुष्य के लिए बनाती है। यह सरकार की मर्जी पर है कि उस पर भ्रमण करने की इजाजत वह किसे दे और किसे नही दे। कुत्ते और अन्य प्राणियों के पिल्ले कोई टैक्स नही चुकाते कि वे भी उसका उपयोग करें और फ्री-फोकट में हमारी गाड़ियों के सामने आकर हमारी जान को मुसीबत में डालें।' साधुरामजी चुहुल के मूड में आकर मजे लेने लगे। 'और नहीं तो क्या! न कुत्ते का बच्चा सड़क का साझेदार बनने की कोशिश करता न वह हमारी गाड़ी के रास्ते में रुकावट बन पाता। स्वयं की गलती का खामियाजा तो उसको भुगतना ही पडेगा साधुरामजी।' अब थोड़ा मूड मेरा भी बनने लगा था। 'जब हम बडे आराम से कैलाश खैर के सूफियाना प्रेम गीतों के रस में सराबोर होते हुए सफर का मजा ले रहे थे कि साले इस कम्बख्त कुत्ते के पिल्ले ने सारा मजा किरकिरा करके रख दिया। यह तो अच्छा हुआ कि सामने कुत्ते का पिल्ला ही आया, खुदा ना खास्ता कोई आदमी का बच्चा आ गया होता तो...!' साधुरामजी पूरे मूड में आ गए। हम कहां पीछे रहने वाले थे थोड़े दार्शनिक अंदाज में कहने लगे- 'यों देखा जाए तो यह बात केवल डामर और सीमेंट से बनाई गई सड़कों तक ही सीमित नही है मित्र, जहाँ अनाधिकृत जीवों का आना-जाना बना रहता है...देश में कई प्रकार की अन्य सड़कें भी हैं और उन पर कई प्रकार की गाड़ियां दौड लगा रहीं हैं।' 'जैसे? जरा स्पष्ट तो करो...' साधुरामजी ने मेरी तरफ ताकते हुए कहा। 'मसलन राजनीति को ही लें।

यह भी सत्ता तक पहुंचने की एक सड़क ही है। अनेक पार्टियाँ अपनी अपनी विचारधाराओं के रंगों और रणनीति के दुपट्टे टोपियां डाले, विभिन्न तकनीकों से लेस होकर, सत्ता प्राप्ति का महान लक्ष्य लिए प्रजातंत्र की सड़क पर दौड़ लगा रही हैं। अब इस दौड़ में यदि कोई अवांछित आपके राजनीतिक हितों की राह में आकर बाधक बन जाए तो उसका तो कुत्ते के पिल्ले की तरह कुचल जाना निश्चित ही है।' मैंने साधुरामजी की कमजोर नस को दबाया। 'तो भैया, इस बात को तो अब यहीं खत्म करो और जरा इन बेलगाम पिल्लों के आतंक पर अंकुश लगाने का उपाय करो वरना ये इसी तरह हमारे जीवन की खुशनुमा राह में आकर हमें मुश्किल में डालते रहेंगे।' कहते हुए साधुरामजी ने प्रसंग का लगभग पटाक्षेप ही कर दिया।

नॉलेज कॉर्नर: रहस्यमयी निमोनिया ने उड़ाई अमेरिका और चीन की नींद

व्हाइट लंग सिंड्रोम का चीन से कनेक्शन!

चीन के बाद अब अमेरिका के ओहियो राज्य में बच्चों में निमोनिया के मामले सामने आ रहे हैं। अमेरिका के अलावा डेनमार्क और नीदरलैंड्स में भी इसके मामले सामने आ रहे हैं। इस रहस्यमयी निमोनिया को व्हाइट लंग सिंड्रोम का नाम दिया गया है। यह बीमारी ज्यादातर 3-8 साल के बच्चों को प्रभावित कर रही है। यह बीमारी क्यों हो रही है, इसका कोई ठोस कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि, कुछ लोग कह रहे हैं कि इस बीमारी का कारण माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया बैक्टीरिया से होने वाला संक्रमण है। इससे फेफड़े प्रभावित हो रहे हैं। अधिक जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

यह खतरनाक बीमारी

इस रहस्यमयी बीमारी का नाम व्हाइट लंग सिंड्रोम इसलिए रखा गया है क्योंकि इसकी चपेट में आने पर फेफड़ों में सफेद रंग के धब्बे दिखने लगते हैं। इस रोग के कारण फेफड़ों में सूजन आ जाती है, जिसके कारण फेफड़ों और श्वसन तंत्र में समस्या हो सकती है। शुरुआत में यह हल्का होता है, लेकिन बाद में गंभीर हो सकता है। हालांकि इस बीमारी का कारण अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन छींकने या खांसने के दौरान निकलने वाली बूंदों के जरिए यह दूसरे व्यक्ति को संक्रमित कर

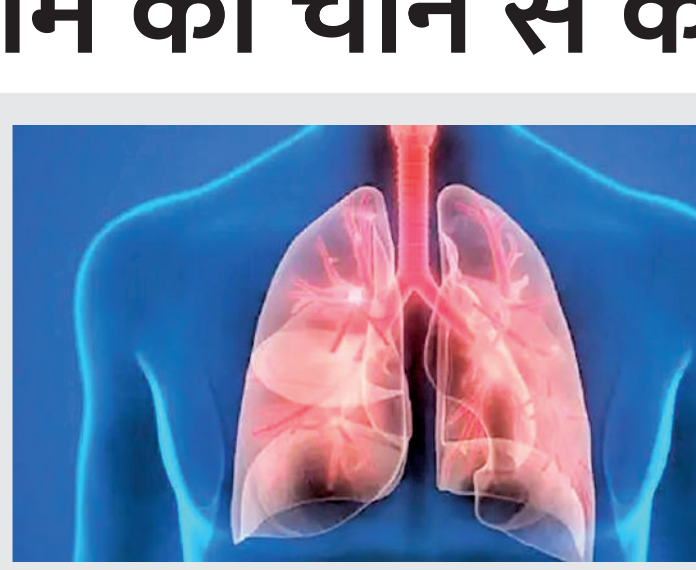

सकता है। इसके अलावा यह गंदे हाथों से भी फैल सकता है। व्हाइट लंग सिंड्रोम के इलाज की बात करें तो कुछ मामलों में एंटीबायोटिक्स या एंटीवायरल दवाएं निर्धारित की जा सकती हैं।

तेजी से फैलाव

ओहियो में वॅरिन काउंटी में अगस्त के बाद से बच्चों के अस्पताल में भर्ती होने की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें रहस्यमय निमोनिया होने की रिपोर्ट है, जिसे 'व्हाइट लंग सिंड्रोम' कहा जाता है। नीदरलैंड इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ सर्विसेज रिसर्च के अनुसार, पिछले सप्ताह 5 से 15 वर्ष की आयु के प्रत्येक 1,00,000 बच्चों में से 80 का निमोनिया का इलाज किया गया था। इसी तरह, 4 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में भी मामले बढ़ रहे हैं, जो प्रति 1,00,000 पर 124 से बढ़कर 145 हो गए हैं।

कैसे करें बचाव?

खाना खाने या मुंह छूने से पहले हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोएं। छींकते समय मुंह और नाक को ढकें। इस्तेमाल किए गए टिश्यू को कूड़ेदान में ही डालें, खुले में इधर-उधर न फेंके। बीमार हैं तो घर पर रहें और बाहर जाने से बचें। बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें। अगर बाहर पानी नहीं है तो सैनेटाइजर से हाथ साफ करें।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

X

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री
@ashokgehlot51
श्री सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या की घटना बेहद दुखद है। मैं ईश्वर से दिवगंत आत्मा को शांति एवं परिजनों को इस आघात को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
मिट्टी न तो कोई वस्तु है और न ही अनंत संसाधन। यदि हम इसे नष्ट कर दें तो इस ग्रह पर जीवन समाप्त हो जाएगा। मिट्टी बचाओ

मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में चर्चित चेहरों को लेकर अटकलें, लेकिन पार्टी की नजर लोस चुनावों पर जिताऊ सीएम की तलाश

शिवराज नहीं हैं सीएम पद की दौड़ में, कहा- न पहले दावेदार था, ना अब

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों ही राज्यों में प्रचंड बहुमत मिलने के बाद भी इनमें से किसी राज्य में किसे मुख्यमंत्री बनाया जाएगा इसे लेकर पार्टी ने अभी तक कोई संकेत नहीं दिया है। हालांकि केंद्रीय नेतृत्व का मंथन व मुलाकातों का दौर जारी हैं। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि वह पहले या अब भी, कभी मुख्यमंत्री पद के दावेदार नहीं रहे हैं। वह पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलने दिल्ली नहीं जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार चुनाव परिणाम सामने आने के बाद से ही दोनों राज्यों में कई चर्चित चेहरों को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं।

लेकिन भाजपा नेतृत्व ने अभी तक कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई है। दरअसल, दोनों ही राज्यों में पार्टी के पास सीएम पद के लिए कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन पार्टी आलाकमान उन चेहरों को तलाश रही हैं, जो न सिर्फ राज्यों में सक्षम नेतृत्व दे सकें, बल्कि अगले वर्ष होने जा रहे लोकसभा

चुनाव के लिए सियासी व जातीय समीकरण साध सकें और पार्टी को शानदार सफलता दिला सकें।दूसरी ओर सीएम चौहान ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर साझा किए गए एक वीडियो बयान में कहा, मैं न तो पहले मुख्यमंत्री पद का दावेदार था और न ही आज हूं।

एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में, मैंने हमेशा भाजपा द्वारा सौंपे गए किसी भी कार्य को अपनी सर्वोत्तम क्षमता, वास्तविकता और ईमानदारी से समर्पण के साथ किया है। चौहान ने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे नेता हैं और मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला।

आज छिंदवाड़ा के दौरे पर, लोस की सभी सीटें जीतने का संकल्प

भोपाल में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में चौहान ने कहा कि, मैं बुधवार को छिंदवाड़ा जा रहा हूं, जहां हम जिले की सात सीटों में से एक भी जीतने में असफल रहे। मैंने संकल्प लिया है कि भाजपा मध्य प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करे और नरेंद्र मोदी फिर से देश के प्रधानमंत्री बनें। ज्ञात रहे कि प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा जिले के सभी सातों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा हार गई। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य में 28 सीटें जीतीं, लेकिन छिंदवाड़ा से कमलनाथ के बेटे और कांग्रेस उम्मीदवार नकुल नाथ ने जीत हासिल की।

दिग्विजय सिंह ने उठाए ईवीएम पर सवाल

भोपाल। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बाद मंगलवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि चिप वाली किसी भी मशीन को हैक किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने 2003 से ईवीएम द्वारा मतदान का विरोध किया है।

अडाणी समूह के खिलाफ मार्च निकालेंगे उद्धव

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि वह 16 दिसंबर को अडाणी समूह के मुंबई कार्यालय तक एक मार्च का नेतृत्व करेंगे और दावा किया कि सरकार धारावी पुनर्विकास परियोजना के मामले में स्पष्ट रूप से व्यापारिक समूह का पक्ष ले रही है। ठाकरे ने कहा, इस परियोजना के लिए अडाणी समूह को लाभ पहुंचाने के लिए कई संदिग्ध निर्णय लिए गए हैं। इसमें टीडीआर (हस्तांतरणीय विकास अधिकार) बिक्री प्रावधान भी शामिल है, जिससे अडाणी समूह को काफी फायदा होगा। धारावी क्षेत्र के निवासियों के हितों की रक्षा के लिए शिवसेना 16 दिसंबर को अडाणी समूह के कार्यालय तक मार्च करेगी। मैं शनिवार को रैली का नेतृत्व करूंगा।

अल्पसंख्यकों के लिए बजट बढ़ाने में गलत क्या: सीएम

बेलगावी (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को आश्चर्य व्यक्त करते हुए सवाल किया कि अल्पसंख्यकों के लिए राज्य का बजट आवंटन बढ़ाने में क्या गलत है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि एक मुस्लिम संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण में उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार मुसलमानों सहित राज्य के सभी समुदायों की रक्षा करेगी। सिद्धरमैया ने अल्पसंख्यकों के लिए वार्षिक बजट को 4,000 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपए करने के अपने बयान के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, इसमें गलत क्या है? उन्होंने मीडिया के एक वर्ग पर उन्हें गलत तरीके से उद्धृत करने का आरोप लगाया कि उनकी सरकार केवल मुसलमानों की रक्षा करेगी।

इंडिया गठबंधन: संसदीय नेताओं की समन्वय बैठक आज शाम

घटक दल प्रमुखों की बैठक टली इसी माह तीसरे सप्ताह में संभव

एजेंसी | नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कुछ घटक दलों के प्रमुख नेताओं की अनुपलब्धता के चलते बुधवार को होने वाली गठबंधन की बैठक फिलहाल स्थगित कर दी गई है तथा यह अब इस महीने के तीसरे सप्ताह में होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यालय के संबद्ध और कांग्रेस कार्य समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य गुरदीप सप्पल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट कि में कहा कि इंडिया गठबंधन के के संसदीय दल के नेताओं की समन्वय बैठक 6 दिसंबर 2023 को शाम छह

बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर होगी। इसके बाद पार्टी अध्यक्षों/ प्रमुख नेताओं की बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह में सभी के लिए सुविधाजनक तिथि को निर्धारित की जाएगी।

स्टालिन, ममता, नीतीश व अखिलेश नहीं आ पा रहे थे बैठक में

कांग्रेस सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के नेता एमके स्टालिन चक्रवात के कारण पैदा हुए हालात के चलते बैठक में शामिल नहीं हो सकते थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हैं तथा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के परिवार में वैवाहिक कार्यक्रम है। ऐसे में आगे की तिथि के लिए बैठक को स्थगित किया गया है। बैठक स्थगित होने से पहले, समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने मंगलवार को कहा था कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव का बुधवार को दिल्ली में होने वाली विपक्ष की बैठक में जाने का कोई कार्यक्रम नहीं है। चुनावी हार के बाद 'इंडिया' गठबंधन के कुछ घटक दलों ने कांग्रेस पर सवाल खड़े किए। यह बैठक ऐसे समय होने वाली थी जब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के हालिया विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने तेलंगाना में जीत दर्ज की है।

विपक्ष के नेताओं ने किए कांग्रेस से सवाल

ज्ञात रहे कि चुनावी हार के बाद 'इंडिया' गठबंधन के कुछ घटक दलों ने कांग्रेस पर सवाल खड़े किए। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने सोमवार को कहा था कि कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में 'इंडिया' गठबंधन के साझेदारों के साथ कोई तालमेल नहीं कर अकेले चुनाव लड़कर गलती की। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को दावा किया था कि तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने वाली कांग्रेस आत्ममुग्धता से पीड़ित है और उससे अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले अपनी आंतरिक कलह से निपटने का आह्वान किया गया।

विपक्ष के विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहें : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता की खुशफहमी में रह सकते हैं लेकिन लोगों को उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहना चाहिए क्योंकि 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती। प्रधानमंत्री सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उस पोस्ट का शीर्षक था 'मेल्टडाउन-ए-आजम' और इसमें राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के सत्ता में आने के बाद हिंदी भाषी राज्यों में क्षेत्रीय विभाजन को भड़काने और मतदाताओं का अपमान करने के लिए बहाने और पारिस्थितिकी तंत्र के कथित प्रयासों का हवाला दिया गया है। मोदी ने पोस्ट में कहा, लोगों की बुद्धिमत्ता ऐसी है कि उन्हें आने वाले कई और 'मेल्टडाउन' (तगड़े झटकों) के लिए तैयार रहना होगा।

तीन राज्यों में भाजपा को बहुमत

अगले साल राज्यसभा में बीजेपी को बहुमत मिलने के आसार नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को भले ही अच्छी जीत मिली हो किंतु इस जीत के बावजूद राज्यसभा में सत्तारूढ़ दल के सदस्यों की संख्या इतनी नहीं बढ़ पाएगी कि उसे अगले साल तक उच्च सदन में बहुमत मिल सके। अगले साल, राज्यसभा में 69 सीटें खाली हो जाएंगी। इनमें से 56 सीटें लोकसभा चुनाव से पहले, अप्रैल में ही रिक्त हो जाएंगी। संसद के उच्च सदन में 239 सदस्य हैं। वर्तमान में, भाजपा 94 सदस्यों के साथ उच्च सदन में सबसे बड़ी पार्टी है।

उसके बाद 30 सदस्यों के साथ कांग्रेस और 13 सदस्यों के साथ तृणमूल कांग्रेस क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। उच्च सदन में भाजपा के 30 सीटें बरकरार रखने की संभावना है, जो अगले साल अप्रैल में खाली हो जाएंगी। कांग्रेस अपनी सीटें बरकरार रखेगी। उसे तेलंगाना से अतिरिक्त दो सीटें मिलेंगी। तेलंगाना में कांग्रेस ने बीआरएस को हरा कर विधानसभा चुनाव जीता है।

राज्यसभा में आप और द्रमुक के 10-10 सदस्य हैं, जबकि बीजद और वाईआरएस कांग्रेस पार्टी के नौ-नौ सदस्य हैं। बीआरएस के उच्च सदन में सात सदस्य हैं, राष्ट्रीय जनता दल के छह और जनता दल (यू) और माकपा के पांच-पांच सदस्य हैं। राज्यसभा में जहां उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा 31 सीटें हैं।

राजस्थान के भी दो सदस्य अप्रैल में होंगे रिटायर

जिन सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में पूरा होगा उनमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह राजस्थान से, पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव राजस्थान से, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान मध्य प्रदेश से और राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला गुजरात से शामिल हैं। भाजपा को राजस्थान और छत्तीसगढ़ से अधिक सीटें मिलेंगी, जिन राज्यों में वह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हटाकर सत्ता में आई है। पार्टी को अतिरिक्त सीटें बाद के वर्षों में मिलेंगी।

लालछंदमा एमएनएफ विधायक दल के नए नेता होंगे

मिजोरम: 33 साल बाद जोरमथांगा का MNF अध्यक्ष पद से इस्तीफा

एजेंसी | आइजोल

मिजोरम के निवर्तमान मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने विधानसभा चुनाव में मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) की करारी हार के चलते मंगलवार को 33 साल के लंबे कार्यकाल के बाद पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इस बीच, एमएनएफ ने मंगलवार को निवर्तमान शिक्षा मंत्री लालछंदमा राल्ते को अपने विधायक दल का नेता चुना। निवर्तमान मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा के आवास पर आयोजित एक बैठक में डम्पा विधानसभा क्षेत्र से चुने गए एमएनएफ के सलाहकार लालरिंतलुआंगा सेलो को विधायक दल का उप-नेता चुना गया। एमएनएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तावंलुइया को भेजे गए अपने त्याग पत्र में जोरमथांगा ने कहा कि वह पार्टी के अध्यक्ष के रूप में चुनावी हार के लिए नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं।

1990 में बने थे अध्यक्ष

वर्ष 1990 में लालडेंगा के निधन के बाद जोरमथांगा एमएनएफ के अध्यक्ष बने थे। पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ के महासचिव क्रॉस्नेहजोवा ने कहा कि एमएनएफ की राष्ट्रीय कोर कमेटी और उसके राजनीतिक मामलों की कमेटी की बुधवार को बैठक होगी जिसमें यह तय किया जाएगा कि जोरमथांगा का इस्तीफा स्वीकार किया जाए या नहीं। एमएनएफ को इस चुनाव में केवल 10 सीटों पर जीत मिली है।

महाराष्ट्र: विस का शीतकालीन सत्र कल से

नागपुर। महाराष्ट्र विधानसभा के सात दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र के दौरान नागपुर में कम से कम 11,000 पुलिसकर्मी, 40 बम निरोधक दस्ते और राज्य रिजर्व पुलिस बल की 10 कंपनियां समेत अन्य सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे।

एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विधानसभा का 14 दिवसीय सत्र 20 दिसंबर को समाप्त होगा। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार और संयुक्त आयुक्त अस्वती दोरजे ने सोमवार को सुरक्षा इंतजाम की तैयारियों के लिए पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की।

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपनी पुस्तक में किया दावा

प्रणव मुखर्जी ने अपनी पुत्री से कहा था, सोनिया मुझे नहीं बनाएंगी PM

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 2004 में केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनने के समय अपनी पुत्री शर्मिष्ठा मुखर्जी से कहा था कि 'सोनिया गांधी मुझे प्रधानमंत्री नहीं बनाएंगी। शर्मिष्ठा ने अपनी आने वाली पुस्तक 'इन प्रणब, माई फादरः ए डॉटर रिमेम्बर्स' में सोनिया गांधी के प्रधानमंत्री पद की दौड़ से हटने के फैसले के बाद अपने पिता के साथ फोन पर हुए संवाद का उल्लेख किया है। उन्होंने कई राजनीतिक पहलुओं का उल्लेख किया है।

प्रणव ने कहा था- मनमोहन सिंह होंगे पीएम

'द पीएम इंडिया नेवर हैड' शीर्षक वाले अध्याय में शर्मिष्ठा यह भी लिखती हैं, इस पद के लिए प्रबल दावेदारों के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह और प्रणव के नामों पर चर्चा हो रही थी। मुझे कुछ दिनों तक बाबा (प्रणब मुखर्जी) से मिलने का मौका नहीं मिला, क्योंकि वह बहुत व्यस्त थे, लेकिन मैंने उनसे फोन पर बात की। मैंने उनसे उत्साहित होकर पूछा कि क्या वह प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। उनका दो टूक जवाब था, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह होंगे।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव

भाजपा ने आरक्षित सीटों पर प्रदर्शन सुधारा, कुल 82 में से 50 पर कब्जा

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करने वाली भाजपा ने अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए कुल 82 सीट में से 50 पर जीत दर्ज की, जो 2018 की तुलना में 17 अधिक हैं। पिछले चुनाव में पार्टी ने 33 सीट जीती थीं।

चुनाव नतीजे बताते हैं कि भाजपा ने राज्य में एससी/एसटी समुदायों के बीच अपना आधार बढ़ाया है। हालांकि, पार्टी के प्रमुख आदिवासी चेहरे और केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते चुनाव हार गए। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव में भाजपा ने 163 सीट जीतकर राज्य में सत्ता बरकरार रखी, जबकि कांग्रेस 66 सीट के साथ दूसरे स्थान पर रही। कांग्रेस को 2018 में 114 सीट जीती थीं। इस बार जिन 47 एसटी आरक्षित सीट पर चुनाव हुए, उनमें से भाजपा ने 24 सीट जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 22 यानी कांग्रेस को पिछले चुनाव की तुलना में नौ सीटों की नुकसान हुआ। वहीं, 2018 में भाजपा ने इनमें से 15 सीट जीती थीं।

एसटी-आरक्षित सीटों में से एक रतलाम जिले की सैलाना, नई चुनावी पार्टी भारत आदिवासी

पार्टी को मिली। एससी के लिए आरक्षित 35 सीट में से, भाजपा 26 पर विजयी हुई, जबकि कांग्रेस पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में आठ सीट के नुकसान के साथ नौ पर ही जीत दर्ज कर पाई। वहीं, 2018 में भाजपा ने 18 सीट जीती थीं।

हार को भुलाकर अब लोकसभा चुनाव पर ध्यान केंद्रित करें कार्यकर्ता: कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश की कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष कमल नाथ ने मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि वे हाल के विधानसभा चुनावों में हार से निराश न हों, बल्कि कमर कस लें और लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर ध्यान लगाएं। पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश करते हुए, कमलनाथ ने आपातकाल के बाद 1977 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार को याद किया, जब इंदिरा गांधी और संजय गांधी जैसे दिग्गजों को भी हार का सामना करना पड़ा था और कैसे पार्टी ने वापसी की एवं तीन साल बाद 1980 में लोकसभा में 300 से अधिक सीट हासिल कर प्रभावशाली जीत दर्ज की। कमलनाथ ने यहां पार्टी कार्यालय में राज्य में जीतने और हारने वाले कांग्रेस उम्मीदवारों को संबोधित करते हुए कहा, ' हमें (केंद्र में) अपनी सरकार बनाने के लिए चार महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए पूरे दिल से काम करना चाहिए। उन्होंने पार्टी उम्मीदवारों और नवनिर्वाचित विधायकों से 10 दिनों में कांग्रेस की हार के कारणों का विवरण देने वाली दो अलग-अलग रिपोर्ट भेजने को कहा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने घोषणा की कि वह लोकसभा चुनाव से पहले पूरे राज्य का दौरा करेंगे।

आदिवासियों के बीच बढ़ा जनाधार

चुनाव विश्लेषकों के अनुसार भाजपा का आदिवासियों के बीच आधार बढ़ा, लेकिन उनका एक प्रमुख आदिवासी चेहरा केंद्रीय मंत्री कुलस्ते मंडला सीट से चुनाव हार गए। भाजपा की राज्य इकाई के प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि एसटी/एससी समुदायों ने भाजपा के प्रति अपना प्यार दिखाया है। कांग्रेस ने हमेशा एससी/एसटी प्रतीकों का अपमान किया है और इन समुदायों के हितों की अनदेखी की है, जबकि भाजपा ने प्राथमिकता के आधार पर काम किया और उनके रोजगार, शिक्षा, बैंक ऋण गारंटी योजनाएं, आदि की व्यवस्था कीं।

सभी बिंदुओं की समीक्षा करेंगे: कांग्रेस

आरक्षित सीट पर पार्टी के खराब प्रदर्शन को लेकर प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पार्टी इन सभी बिंदुओं पर समीक्षा कर रही है। समीक्षा के बाद पता चलेगा कि किस वजह से यह स्थिति पैदा हुई।

जरूरी खबर

एनआईए ने जम्मू कश्मीर के सात जिलों में छापे मारे

श्रीनगर। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने पाकिस्तान समर्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े समूहों की कथित आतंकी साजिश के मामले में मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए जिनमें अपराध में संलिप्तता का संकेत करने वाले डेटा और दस्तावेज बड़ी मात्रा में शामिल हैं। टीम ने सात जिलों पुंछ, शोपियां, पुलवामा, बारामूला, और श्रीनगर के आठ स्थानों पर छापेमारी की। पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के आका आतंक को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल कर रहे थे।

सरोगेसी मामले में याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय मंगलवार को सरोगेसी कानून के उस प्रावधान को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गया जो एकल अविवाहित महिलाओं को सरोगेसी के माध्यम से बच्चे पैदा करने से रोकता है। न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना और न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता और पेशे से वकील नेहा नागपाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सौरभ कृपाल ने कहा कि मौजूदा सरोगेसी नियमों में बड़े पैमाने पर खामियां हैं जो अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन हैं।

केन्या को 25 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देगा भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की यात्रा पर आए केन्याई राष्ट्रपति विलियम समोई रुतो के साथ व्यापक वार्ता के बाद मंगलवार को केन्या को उसके कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए 25 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देने के भारत के फैसले की घोषणा की। हिंद-प्रशांत का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि क्षेत्र में भारत और केन्या के बीच करीबी सहयोग साझा प्रयासों को आगे बढ़ाएगा। रुतो दोनों देशों के बीच समग्र संबंधों का विस्तार करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे। मोदी ने वार्ता के बाद मीडिया को जारी बयान में कहा कि अपनी विदेश नीति में भारत ने हमेशा अफ्रीका को उच्च प्राथमिकता दी है।

कोलकाता में फिल्म महोत्सव शुरू

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के 29वें संस्करण का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र में अभिनेता सलमान खान, अनिल कपूर और अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा, फिल्मकार महेश भट्ट और पश्चिम बंगाल के नव नियुक्त ब्रांड एंबेसडर तथा भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली जैसी प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। चित्र में महोत्सव के दौरान प्रस्तुति देता ओडिशी डांसर डोना गांगुली का दल और महोत्सव के थीम गीत की लय पर थिरकती बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां। आईएफएफ में 39 देशों की कुल 219 फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। स्पेन महोत्सव का 'फोकस' देश होगा।

आतंकी रोडे की पाक में दिल का दौरा पड़ने से मौत

नई दिल्ली। भारत के 'सर्वाधिक वांछित' अपराधियों में शामिल खालिस्तानी आतंकवादी और जरनैल सिंह भिंडरावाले के भतीजे लखबीर सिंह रोडे की पाकिस्तान में दिल का दौरा पड़ने से रावलपिंडी के एक अस्पताल में मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार बताया कि खालिस्तानी अलगाववादी आंदोलन के पीछे 72 वर्षीय रोडे का दिमाग था। 1984 में भिंडरावाले की मौत के बाद उसका यह भतीजा पाकिस्तान भाग गया था। अधिकारियों ने बताया कि सिंह का पैतृक गांव मोगा जिले के रोडे में था। इस बीच, कुछ खबरों के मुताबिक उसकी मौत सोमवार को हुई जबकि अन्य से संकेत मिलता है कि उसने शनिवार को अंतिम सांस ली। प्रतिबंधित खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट का स्वयंभू प्रमुख विभिन्न मामलों में आरोपी था।

आंध्र तट से टकराकर आगे बढ़ा चक्रवात, कमजोर पड़ने लगा

भारी बारिश से तबाही, तमिलनाडु व आंध्र के कई इलाकों में सैलाब

■ सड़कें क्षतिग्रस्त नदियां, नहरें और तालाब उफान पर

एजेंसी | चेन्नई

गंभीर भीषण चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' मंगलवार को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट से दो बजकर 30 मिनट के बीच 90-100 किमी प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार के साथ बापटला जिले के निकट दक्षिण आंध्र प्रदेश तट से टकराकर आगे की ओर बढ़ गया।

लैंडफॉल यानी तट से टकराने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मौसम विभाग के अनुसार चक्रवाती तूफान कमजोर पड़ गया है। अमरावती मौसम विज्ञान केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि इसके भीषण चक्रवात के आगे बढ़ने और अगले दो घंटों में और कमजोर होने की संभावना है। 'मिचौंग' ने राज्य के प्रभावित जिलों में भारी तबाही मचाई। सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, नदियां, नहरे और तालाब उफान पर हैं, जिससे राज्य में हजारों एकड़ फसलें डूब गई हैं।

@ चेन्नई (तमिलनाडु)

@ नेल्लोर (आंध्रप्रदेश)

चेन्नई में पानी भरा, 12 लोगों की मौत

दूसरी ओर पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उत्तरी तटीय तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान के कारण सोमवार से हो रही भारी बारिश के कारण चेन्नई और उसके आसपास जिलों में कई जगह जलभराव हो गया है। भारी बारिश से मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। लोगों को बचाने के लिए नौकाओं और ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया। बारिश प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के लिए अनेक जिला आपदा मोचन दलों का गठन किया गया है। मुथियालपेट इलाके में 54 परिवारों को बचाया गया और एक महिला को उसके नवजात के साथ शहर के सालिग्रामम से एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया गया।

गलती या घोटाला: सीबीआई जांच शुरू

यूको बैंक के ग्राहकों के खाते में अचानक आए 820 करोड़ रुपए

■ 41,000 खातों में आई राशि, पर मूल खातों में नहीं हुई डेबिट

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने एक ऐसे मामले में प्राथमिकी दर्ज की है जिसमें 10 से 13 नवंबर के बीच यूको बैंक के 41,000 खाताधारकों के खातों में अचानक 820 करोड़ रुपए की राशि जमा हो गई।

इस मामले में एक तरफ जहां खातों में यह राशि जमा हो गई, वहीं दूसरी ओर उन खातों से कोई 'डेबिट' दर्ज नहीं हुआ जहां से यह राशि मूल रूप से अंतरित हुई थी। इस संबंध में मंगलवार तक चली छापेमारी में कोलकाता तथा मंगलूर सहित कई शहरों में 13 परिसरों पर छापेमारी की गई। तीन दिन के भीतर तत्काल भुगतान सेवा के जरिए 8.53 लाख से अधिक लेनदेन हुए, जिसमें निजी बैंकों के 14,000 खाताधारकों से 820 करोड़ रुपए यूको बैंक के खाताधारकों के 41,000 खातों में पहुंचे। आश्चर्यजनक रूप से मूल बैंक खातों से कोई भी राशि 'डेबिट' दर्ज नहीं हुई और कई खाताधारकों ने अपने खातों में अचानक आई राशि को निकाल लिया।

एफआईआर हुई दर्ज

यूको बैंक की शिकायत पर बैंक में काम करने वाले दो सहायक इंजीनियरों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, तलाशी के दौरान, मोबाइल फोन, लैपटॉप, कंप्यूटर सिस्टम, ईमेल संग्रह और डेबिट या क्रेडिट कार्ड सहित साक्ष्य बरामद किए गए हैं।

'डीपफेक' पर सोशल मीडिया कंपनियों को कड़ा संदेश

सरकार ने दिए सुरक्षा उपाय के संकेत

■ मंत्री ने की सोशल मीडिया मंचों के साथ स्थिति की समीक्षा

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने 'डीपफेक' और भ्रामक सूचना के मुद्दे से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की मंगलवार को सोशल मीडिया मंचों के साथ समीक्षा करते हुए कहा कि अगले दो दिन में शत-प्रतिशत अनुपालन को लेकर परामर्श जारी कर दिया जाएगा। इस बीच, सूत्रों ने कहा कि सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को कड़े शब्दों में बता दिया है कि उन्हें उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को लेकर समुचित कदम उठाने होंगे। सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स राज्यमंत्री चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि भ्रामक सूचनाओं और डीपफेक पर सोशल मीडिया कंपनियों के साथ दूसरी बैठक हुई जिसमें पिछली बैठक के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की गई।

कई मंच पहली बैठक में लिए गए फैसलों का पालन कर रहे हैं और अगले दो दिन में 100 प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए परामर्श जारी कर दिया जाएगा। 'डीपफेक' का आशय छेड़छाड़ की गई मीडिया सामग्री से है। इसमें किसी भी व्यक्ति को गलत ढंग से पेश करने या दिखाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से डिजिटल हेराफेरी की जाती है और उसे बदल दिया जाता है।

सियाचिन में तैनाती वाली पहली चिकित्सा अधिकारी बनीं कैप्टन गीतिका कौल

लेह/जम्मू। *कैप्टन गीतिका कौल दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन पर तैनात होने वाली भारतीय सेना की पहली महिला चिकित्सा अधिकारी बन गई हैं। 'फायर एंड फ्यूरी' कोर ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्हें यह उपलब्धि प्रतिष्ठित सियाचिन बैटल स्कूल में कठोर प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद मिली है, जिसमें अत्यधिक ऊंचाई पर रहने के अनुकूल बनना, खुद को बचाने की तकनीक और विशेष चिकित्सा प्रक्रियाएं शामिल हैं। 'फायर एंड फ्यूरी' कोर ने 'एक्स' पर लिखा, स्नो लेपर्ड ब्रिगेड की कैप्टन गीतिका कौल सियाचिन बैटल स्कूल में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में तैनात होने वाली भारतीय सेना की पहली महिला चिकित्सा अधिकारी बन गई हैं। उत्तरी हिमालय में स्थित सियाचिन अपने सामरिक महत्व, प्रतिकूल जलवायु और दुर्गम इलाके के कारण चुनौतियों से भरा क्षेत्र है।*

लोकसभा : भाजपा का पलटवार, कांग्रेस से किया सवाल

द्रमुक सांसद ने हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गोमूत्र राज्य' कहा, सियासी बवाल

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में द्रमुक के एक सदस्य ने मंगलवार को हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देते हुए विवाद खड़ा कर दिया और कहा कि भाजपा केवल इन्हीं राज्यों में चुनाव जीत सकती है, दक्षिण भारत में नहीं।

भाजपा के नेताओं ने द्रमुक पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि क्या वह उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने सहयोगी दल के अपमानजनक बयानों से सहमत हैं।

सेंथिलकुमार के बयान पर बाद में सियासी बवाल मच गया। लोकसभा में 'जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक' पर चर्चा में भाग लेते हुए द्रमुक के डीएनवी सेंथिलकुमार ने कहा, इस देश की जनता को सोचना चाहिए कि भाजपा की चुनाव जीतने की शक्ति केवल हिंदी पट्टी के राज्यों में है जिन्हें हम आमतौर पर गौमूत्र राज्य कहते हैं।

हाल में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जहां भाजपा को जीत मिली है, वहीं तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है।

इन विधानसभा चुनाव परिणामों को कुछ वर्ग द्वारा 'उत्तर-दक्षिण' के विभाजन के रूप में देखे जाने की पृष्ठभूमि में द्रमुक सांसद की टिप्पणी आई हैं।

दक्षिण भारत में नहीं आ सकती भाजपा

सेंथिलकुमार ने लोकसभा में कहा, आप (भाजपा) दक्षिण भारत में नहीं आ सकते। आप देख लीजिए कि केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में चुनाव परिणाम क्या आया। हम वहां बहुत मजबूत हैं। हमें हैरानी नहीं होगी यदि आप इन सारे राज्यों को केंद्रशासित प्रदेशों में बदलने के विकल्प पर विचार करने लगें ताकि आप परोक्ष रूप से यहां सत्ता में आ सकें। आप वहां पैर जमाने का सपना कभी पूरा नहीं कर सकते।

सनातन के खिलाफ भी दिए थे बयान

विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधने के लिए द्रमुक नेताओं के सनातन धर्म के खिलाफ दिए गए बयानों का इस्तेमाल किया था। कांग्रेस ने इस साल की शुरुआत में कर्नाटक में भाजपा से सत्ता छीन ली थी, वहीं तमिलनाडु समेत अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में गैर-भाजपाई दल सरकार चला रहे हैं।

तमिलनाडु भाजपा ने की आलोचना

तमिलनाडु में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने सेंथिलकुमार के बयान की निंदा करते हुए इसे असंवेदनशील करार दिया। उन्होंने कहा कि द्रमुक की सोच चेन्नई की तरह डूब रही है और द्रमुक का अहंकार इसका प्रमुख कारण होगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, हमारे उत्तर भारतीय मित्रों को पानी-पूरी बेचने वाला, शौचालय बनाने वाला कहकर 'इंडिया' गठबंधन के सांसद अब गौमूत्र शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। अन्नामलाई ने कहा कि द्रमुक सांसद संभवत: भूल गए कि दक्षिण भारत में पुडुचेरी में राजग गठबंधन सत्ता में है और कुछ महीने पहले तक कर्नाटक में भी भाजपा सरकार थी। कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता सीटी रवि ने कहा कि क्या कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्रमुक नेता के इस तरह के बयानों का समर्थन करते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "क्या इंडिया गठबंधन के नेता राहुल गांधी द्रमुक के इस नेता की बात से सहमत हैं, जिसने हिंदी भाषी राज्यों के भारतीयों का अपमान किया है?रवि ने कहा, कांग्रेस और इसके सहयोगी दल कब तक भारतीयों का अपमान करते रहेंगे?

जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल शुरू, 37 स्कूलों के 1500 स्टूडेंट्स ले रहे हैं भाग

दीयों, घंटियों, चौकी और कुंडों के साथ आरती में गंगा की कहानी

बेधड़क.जयपुर। हेरिटेज आंगन में गुलाबी नगरी के साथ देश की राजधानी दिल्ली और गुजरात व यूपी के शहरों के युवाओं ने भजनों के साथ फेस्ट की शुरुआत की तो देश की संस्कृति निखर उठी। मौका था सिटी पैलेस में 'एजुकेशन थ्रू मॉन्यूमेंट्स' थीम पर जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल (जेएचएफ)-2023 की शुरुआत का। इस मौके पर धारव हाई स्कूल के स्टूडेंट्स ने भगवान कृष्ण को समर्पित भजन के साथ शुरुआत की। फेस्टिवल में जयपुर के 17 स्कूलों और जयपुर के बाहर (दिल्ली, अहमदाबाद, वाराणसी व हैदराबाद) के 20 से अधिक स्कूलों कैंपस के 1500 स्टूडेंट्स भाग ले रहे हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत सनबीम स्कूल, वाराणसी द्वारा प्रस्तुत गंगा आरती प्रस्तुत की गई। इसके तहत 20 बच्चों ने दर्शकों के सामने दीयों, घंटियों, चौकी और कुंडों के साथ आरती की, जिसमें गंगा की कहानी की झलक देखने को मिली। शुरुआत में जयपुर के स्मारकों से जुड़े विभिन्न स्मारकों के वाराणसी प्रोजेक्ट्स की 3 मिनट की फिल्म दिखाई गई।

नृत्य नाटिका और कठपुतली नृत्य की प्रस्तुति

मॉडर्न स्कूल के स्टूडेंट्स की ओर से जगत शिरोमणि मंदिर और पन्ना मीना की बावड़ी पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई तो सुबोध पब्लिक स्कूल ने डॉक्यूमेंट्री और कठपुतली नृत्य से अल्बर्ट हॉल म्यूजियम के विविध पहलुओं को प्रस्तुत किया। वहीं, एसआरएन इंटरनेशनल स्कूल ने जयपुर के पांच स्मारकों पत्रिका गेट, गलताजी कुंड, सिसोदिया गार्डन, राजराजेश्वरी मंदिर एवं गैटोर की छतरियां को छह मिनट की नृत्य नाटिका में खूबसूरती से संयोजित किया। सनबीम स्कूल लहरता की ओर से तुलसी दास पर झांकी प्रस्तुत की गई।

विभिन्न सब्जेक्ट्स पर हुईं वर्कशॉप

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद एग्जीबिशन एरिया में विभिन्न स्मारकों के साथ-साथ गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान विषयों से संबंधित अवधारणाएं प्रदर्शित की गईं। इसके जरिए बताया गया कि किसी भी विषय का अध्ययन कराने के लिए स्मारकों का उपयोग किया जा सकता है। फेस्टिवल के तहत पेंटिंग योर फेवरेट मॉन्यूमेंट, प्रिंट मेकिंग, ब्लॉक प्रिंट, पॉटरी मेकिंग, मेकिंग ऑफ एनीमेशन फिल्म और ओरिगेमी जैसे विषयों पर कार्यशालाएं भी हुईं। इसरो की सफलता को को जीवंत करते हुए मयूर स्कूल की ओर से 'हाउ टू मेक ए रॉकेट' थीम पर वर्कशॉप हुई और तीन छोटे रॉकेट के मॉडल लॉन्च किए गए। पैलेस फेस्टिवल 8 दिसंबर तक सुबह 8:30 से दोपहर 12:30 बजे तक जारी रहेगा, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे और प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

312 लड़कियों सहित युवाओं ने किया 1727 यूनिट ब्लड डोनेट

बेधड़क. जयपुर। जब सोसायटी के लिए ब्लड डोनेट करने की बात आई तो गर्ल्स भी पीछे नहीं रहीं और सैकड़ों नारी शक्ति ने रक्त देकर जिम्मेदारी निभाई। नजारा था जेईसीआरसी में टीम आशाएं की ओर से मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का, जिसमे 1727 यूनिट ब्लड डोनेट हुआ। 927 फर्स्ट टाइम डोनर्स रहे, जिसमें से 312 लड़कियां थीं। कार्यक्रम में बच्चों ने नुक्कड़ नाटक से ब्लड डोनेटशन का महत्व समझाया। वाइस चेयरपर्सन अर्पित अग्रवाल ने बताया कि एक यूनिट रक्त से 4 जानें बचाई जा सकती हैं। हमारी कोशिश है कि खून की कमी से कभी किसी भी व्यक्ति की जान पर न आए। अब तक आशाएं क्लब की मदद से पिछले 16 साल में 18422 हजार से अधिक यूनिट रक्तदान और 2213 से अधिक एसडीपी डोनेट किए जा चुके हैं। आशाएं टीम के फैकल्टी को-ऑर्डिनेटर डॉ. जगदेव सिंह ने बताया कि इस दौरान राजेश गंगवाल (प्रेजिडेंट, रोटरी क्लब, जयपुर सिटीजन), सुधीर गोधा (चार्टर प्रेजिडेंट, रोटरी क्लब, जयपुर सिटीजन), स्क्वाड्रन लीडर विभूती मंगल, जीपी कैप्टेन विनय भारद्वाज, रिटायर्ड एसएल चतुर्वेदी मौजूद रहे। समारोह के दौरान महात्मा गांधी, नारायणा, दुर्लभजी, एसएमएस, मोनार्क, सिटी मेमोरियल, बीडी मेमोरियल और भारद्वाज ब्लड बैंक ने हिस्सा लिया।

कला संसार मधुरम में शास्त्रीय संगीत की सजेगी महफिल

बेधड़क. जयपुर। जयपुराइट्स को शास्त्रीय संगीत की बारीकियां उत्सव में दर्शाई जाएगी। साथ ही कई शास्त्रीय उत्सव की गतिविधियों का हर उम्र के लोग आनंद लेंगे, क्योंकि जवाहर कला केन्द्र की ओर से कला संसार मधुरम के तहत 7-8 दिसंबर को शास्त्रीय संगीत उत्सव का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय उत्सव में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होगा, जिसमें 7 दिसंबर को शाम 4:30 बजे से शिल्पग्राम के जयपुर हट में संवाद प्रवाह होगा। कला प्रेमी उत्सव में निःशुल्क प्रवेश लेंगे। जहां डॉ. अंकित पारिख, ललित शर्मा अकिंचन, डॉ. राजेश व्यास 'साहित्य की सांगीतिक सर्जना और उसकी सर्वकालिक समसामयिक भूमिका' विषय पर प्रकाश डालेंगे। प्रो. डॉ. मधु भट्ट तैलंग मॉडरेटर रहेंगी। शाम 6 बजे रंगायन सभागार में डॉ. श्याम सुंदर शर्मा ध्रुवपद गायन की प्रस्तुति देंगे। उत्सव के दूसरे दिन 8 दिसंबर शाम 6 बजे रंगायन सभागार में विक्रम श्रीवास्तव ख्याल गायन प्रस्तुत करेंगे। शास्त्रीय संगीत उत्सव के साथ ही केन्द्र के नए प्रयास पाक्षिक संगीत संध्या कार्यक्रम की शुरुआत होने जा रही है।

City इवेंट्स

एनिमल 2 का टाइटल आउट

बेधड़क. जयपुर। रणबीर कपूर की एनिमल सिनेमाघरों में जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन के मामले में भी यह मूवी मोनस्टर साबित हो रही है। मूवी के एंड में इसके सीक्वल का संकेत दिया गया था। इसमें खुद रणबीर ही अपने हमशक्ल अवतार में विलन के रूप में दिखाए गए हैं। अब इस सीक्वल का टाइटल सामने आ गया है। फिल्म क्रिटिक संदीप कडेल ने एक्स पर इसका नाम शेयर किया है। उन्होंने लिखा है कि एनिमल 2 का टाइटल एनिमल पार्क होगा। ऐसे में फैंस में जबरदस्त बज बन रहा है कि जब एनिमल में एक एनिमल था तो इतना रोमांच था, यह तो एनिमल पार्क है तो इसमें तो रोमांच का सागर होगा। बता दें कि एनिमल 4 दिन में 425 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर चुकी है।

जयपुर को ग्रीन बनाने निकली टीम-10

बेधड़क. जयपुर। जयपुराइट्स ने शहर को ग्रीन बनाने का संकल्प लिया है और इसी के तहत वे अल सुबह मंगलवार को श्रमदान और पौधों की संभाल करने के लिए पहुंच गए। इसके लिए टीम-10 विद्याधर नगर के नेशनल हैंडलूम के पास हनुमंत टावर और उन्नति टावर के पीछे श्रमदान और पौधारोपण करने पहुंची। वहीं दूसरे ग्रुप ने बड़े टैंकर से पानी डालने का काम किया। टीम सुबह 6.30 से 10.45 बजे तक फील्ड में रही। इस दौरान 22 लोगों ने श्रमदान किया और 2 बड़े टैंकर पानी पेड़ो में डाले गए।

लघु चित्रण के 5 चित्रकार सम्मानित

सावित्री शर्मा

डॉ. कनुप्रिया राठौड़

भुवनेश्वरी राजोरिया

बेधड़क. जयपुर। कलावृत्त की ओर से राजस्थान ललित कला अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'राष्ट्रीय समसामयिक लघु चित्रण' की ऑनलाइन कार्यशाला के लिए गठित चयन समिति ने परम्परागत शैलियों की तकनीक व समसामयिक विषयों के आधार पर सृजित चित्रों में से 5 का चयन किया। कलावृत्त के अध्यक्ष संदीप सुमहेन्द्र ने बताया कि इस बार पद्मश्री रामगोपाल विजयवर्गीय सम्मान- जयपुर की सावित्री शर्मा, पद्मश्री कृपाल सिंह शेखावत सम्मान- वाराणसी की कनु प्रिया को, कलारत्न पीएन चोयल सम्मान- बीकानेर की भुवनेश्वरी राजोरिया को, कलागुरू प्रो. देवकीनंदन शर्मा सम्मान- कोटे के शम्भू सिंह चोबदार को व कलागुरू वेदपाल शर्मा बन्नूजी सम्मान- यूपी के डॉ. दर्गेश कुमार को दिया गया है। साथ ही 24 चित्रों का चयन वर्ष 2024 के कैलेंडर के लिए किया गया, जिन्हें चित्रकार की फोटो व चित्र सहित प्रकाशित किया जाएगा। अन्य सभी प्रतिभागियों को डिजिटल प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। कार्यशाला में राजस्थान, पंजाब, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, बंगाल आदि राज्यों के अलग-अलग शहरों के 61 चित्रकारों ने रचनात्मक अभिव्यक्ति को चित्रित किया था।

विधायक गोपाल शर्मा का प्रेस क्लब में सम्मान

पत्रकारिता और पत्रकारों के प्रेम से बढ़कर जीवन का कोई मूल्य नहीं

बेधड़क | जयपुर

'मेरे लिए आज का दिन विधानसभा में जाने से भी अधिक खुशी का दिन है। पत्रकारिता की यात्रा के बाद राजनीतिक जीवन की शुरुआत में अपनों का साथ मुझे आनंदित करने के साथ गौरव का अनुभव करवा रहा है।' यह कहना था वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा का, जो सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुनकर आए हैं। विभिन्न पत्रकार संगठनों की ओर से पिंकसिटी प्रेस क्लब में मंगलवार को उनका सम्मान किया गया। वरिष्ठ पत्रकार मिलाप चन्द डांडिया के सानिध्य में हुए समारोह में शर्मा ने आगे कहा, कि वे पत्रकारों की सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करेंगे। उनके अनुसार राजस्थान की पत्रकारिता और पत्रकारों के प्रेम से बढ़कर जीवन का कोई मूल्य नहीं है। उन्होंने नई पीढ़ी के पत्रकारों से आह्वान किया कि हमारी योग्यता में कमी नहीं आनी चाहिए। अपनी योग्यता का उपयोग पत्रकारों के हितों के लिए करना चाहिए। डांडिया ने कहा कि गोपाल शर्मा की जीत अहंकार पर विनम्रता की विजय है। उन्होंने ऐसे व्यक्ति को पराजित किया, जो आकंठ अहंकार में डूबा था।

वरिष्ठ पत्रकार महेश शर्मा ने कहा, कि गोपाल शर्मा पत्रकार के साथ लेखक भी हैं। इन्होंने अनेक हस्तियों पर पुस्तक लेखन किया है। युवा पत्रकारों को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

'लोकतंत्र में मूल्यों का पराभव' विषय पर संगोष्ठी

जनप्रतिनिधियों को विकास के साथ में सुशासन देना चाहिए

बेधड़क | जयपुर

राजनीतिक दल चुनाव से पहले संकल्प पत्रों में लोकलुभावन घोषणाओं के साथ गारंटी के आश्वासन देते हैं और चुनाव बाद उन्हें जुमला बता दिया जाता है। जनप्रतिनिधियों में नेतृत्व क्षमता का अभाव है। गांधीजी जैसी नेतृत्व क्षमता दिखाई नहीं देती। यह विचार प्रबुद्धजनों की संस्था मुक्तमंच की 76वीं संगोष्ठी में रखे गए। लोकतंत्र में मूल्यों का पराभव विषय पर गोष्ठी में डॉ. नरेन्द्र शर्मा (कुसुम) की अध्यक्षता रही तो मुख्य अतिथि चिंतक अरुण कुमार ओझा आईएएस (रि.) थे। संयोजन शब्द संसार अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा ने किया।

डॉ. नरेन्द्र शर्मा कुसुम ने कहा कि मतदाता जागरूक नहीं हैं। इससे लोकतंत्र के ख्वाब, आकाक्षाएं, अपेक्षाएं धूल धुसरित हो जाती हैं। ऐसे में समाज के प्रबुद्ध वर्ग को सशक्त राज्य इच्छा शक्ति पैदा करने की जरूरत है। चिंतक और इंजीनियर दामोदर चिरानिया ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता की उन्नति के साथ सुशासन देना चाहिए। उनके निर्णयों में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यों में निष्पक्षता होनी चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि हम दल के प्रतिनिधि को ही अपना प्रतिनिधि नहीं बनाएं। वहीं, पूर्व बैंकर इन्द्र भंसाली ने कहा कि राजनेता झूठ, फरेब, छल-कपट का सहारा नहीं लेते अपितु तरह-तरह के प्रलोभन देकर मत प्राप्त करते हैं।

चित्रकार शिविर विभिन्न शहरों में साधनारत नए और पुराने कलाकारों ने दिखाए कला के रंग

चित्रकारों ने उकेरी मांडणा और फड़ आर्ट की तस्वीरें

बेधड़क | जयपुर

जयपुर की धरा पर जब प्रदेश के विभिन्न शहरों में साधनारत नए और पुराने कलाकार शिरकत करने पहुंचे तो कला के विभिन्न रंग देखने को मिले। इस दौरान सभी कलाकारों ने अपनी-अपनी सोच से फिगरेटिव कला को जीवंत करना शुरू किया।

कला के ये विभिन्न रंग अब कई दिन गुलाबी नगरी में दिखाई देंगे। यह सब होगा म्यूजियम विशेषज्ञ इतिहासकार मोहन लाल गुप्ता विजयवर्गीय की याद में आयोजित 5 दिवसीय चित्रकार शिविर में। जलमहल के पास स्थित पद्मश्री रामगोपाल विजयवर्गीय स्मृति म्यूजियम में शुरू हुए शिविर का उद्घाटन जाने-माने लेखक, पत्रकार और चित्रकार विनोद भारद्वाज ने किया।

इस अवसर पर श्वेता विजयवर्गीय, प्रियंवदा, अनंत और वेदांत मौजूद रहे, जिन्होंने कलाकारों को मोटिवेट किया और उनसे इंटरेक्ट किया। 5 दिवसीय इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न शहरों में साधनारत नए-पुराने कलाकार शिरकत करने के लिए आए हैं। इस दौरान ये सभी कलाकार अपनी सोच से फिगरेटिव

कला को उजागर कर रहे हैं। शिविर में जयपुर से ही नहीं अलग-अलग शहरों से भाग लेने के लिए प्रतियोगी शामिल हुए हैं।

यहां से आए कलाकार

अजमेर, कोटा, चूरू और भी कई शहरों से कलाकार आए हैं। सभी में काफी उत्साह है, जो उनकी कला में दिखाई दे रही है। राजस्थान यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी तान्या और सत्यवान ने बताया कि ऐसे शिविर कलाकारों में ऊर्जा भर देते हैं। कोटा से आई कृतिका ने कहा कि यहां आकर अलग-अलग आर्टिस्ट से मिलना सुकून से भरा है। जयपुर से रेखा अग्रवाल मंडाणा शैली को ही एक नए अंदाज में कैनवास पर उतार रही थी तो वहीं मीना जैन फड़ शैली में लोक कला को उकेरने में तल्लीन रही।

नकद पुरुस्कार से किया जाएगा मोटिवेट

कैंप संयोजक प्रबोध गोविल ने बताया कि 10 दिसंबर को कृतियों का निर्णायक मंडल की ओर से मूल्यांकन किया जाएगा। प्रथम स्थान वाली कृति को 10, द्वितीय को साढ़े सात तथा तृतीय कृति को 5 हजार रुपए के नकद इनाम दिए जाएंगे। इसके अलावा 2 कृतियों को प्रोत्साहन पुरस्कार के तहत एक-एक हजार प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्वयं के सुधार से ही समाज सुधार संभव है।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस में बमबारी, अस्पताल में बड़ी संख्या में घायल भर्ती

इजराइल के हमले और बढ़े

एजेंसी | खान यूनिस (गाजा पट्टी)

इजराइल ने गाजा में युद्ध के नए खूनी चरण के तहत गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस में और उसके आसपास मंगलवार सुबह अपनी बमबारी और तेज कर दी। इसके बाद एंबुलेंस और निजी कारें घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाते दिखीं।

व्यापक जनहानि से बचने के अमेरिका के दबाव के तहत इजराइल ने कहा है कि हमला अधिक सटीकता से किया जा रहा है। इजराइल, उत्तर के अधिकांश हिस्से को नष्ट करने के बाद दक्षिणी गाजा में अपना आक्रमण बढ़ा रहा है। हवाई बमबारी और जमीनी हमले ने पहले ही क्षेत्र के 23 लाख लोगों में से तीन-चौथाई को अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर कर दिया है।

युद्ध में 15 हजार से ज्यादा की मौत

गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि सात अक्टूबर के बाद से क्षेत्र में मृतक संख्या 15,890 को पार कर चुकी है और 42,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) द्वारा मंगलवार तड़के विश्लेषण की गई तस्वीरों में खान यूनिस के केंद्र से छह किमी उत्तर में लगभग 150 इजराइली टैंक, बख्तरबंद सैनिक और अन्य वाहन दिखाई दिए। खान यूनिस के समीप लगातार बमबारी से शहर के आसमान में बार बार बिजली सी चमकती रही। खान यूनिस में फिलिस्तीनियों के लिए मेडिकल सहायता समूह के एक सहायता कार्यकर्ता मोहम्मद अघालकुर्दी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में इजराइली हमलों में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

नाइजीरिया: मरने वालों में महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल

सेना ने गलती से किया ड्रोन अटैक, 85 की मौत

एजेंसी | अबुजा

उत्तर पश्चिमी नाइजीरिया में एक धार्मिक सभा पर सेना द्वारा गलती से किए गए ड्रोन हमले में 85 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने मंगलवार को नाइजीरिया के संघर्ष क्षेत्रों में गलती के चलते होने वाली इस नवीनतम घटना की जांच का आदेश दिया।

नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अब तक 85 शवों को दफनाया जा चुका है और तलाश अभी भी जारी है। मरने वालों में महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं। इसके अलावा 66 लोग घायल हो गए। लागोस से संचालित सुरक्षा कंपनी एसबीएम इंटेलिजेंस के अनुसार, देश के उत्तरी क्षेत्र में गंभीर सुरक्षा संकट के बीच सशस्त्र समूहों को निशाना बनाने के लिए सेना द्वारा किए गए हवाई हमलों में अब तक लगभग 400 आम नागरिक मारे जा चुके हैं।

हवाई हमलों की घटनाएं चिंताजनक

सरकार और सुरक्षाबलों के अनुसार, कादुना राज्य के तुदुन गांव में रविवार की रात लोग तब मारे गए, जब वे आतंकवादियों और दस्युओं को निशाना बनाने के लिए सेना द्वारा किए गए ड्रोन हमले की चपेट में आ गए। हमले की चपेट में आए लोग एक धार्मिक सभा कर रहे थे। नाइजीरिया के पूर्व उपराष्ट्रपति और इस साल के चुनाव में विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति पद के मुख्य उम्मीदवार अतीकू अबुबकर ने कहा कि देश में गलती से होने वाले हवाई हमलों की घटनाएं चिंताजनक हैं।

इंडोनेशिया में माउंट मरापी में विस्फोट के बाद मिले और शव

ज्वालामुखी विस्फोट में मारे गए 23 लोग

एजेंसी | बातू पलानो (इंडोनेशिया)

इंडोनेशियाई बचावकर्मियों ने माउंट मरापी में ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद मंगलवार को और लोगों के शव बरामद किए। इसके बाद मृतक संख्या बढ़कर 23 हो गई। माउंट मरापी में रविवार को हुए विस्फोट के बाद शुरुआत में 11 पर्वतारोहियों की मौत होने की पुष्टि

की गई थी तथा 50 से अधिक पर्वतारोहियों को बचा लिए जाने की जानकारी दी गई थी। वहीं, सोमवार को दोबारा हुए विस्फोट के बाद आसमान में 800 मीटर तक राख की मोटी परत फैल गई, जिससे तलाश अभियान को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। वेस्ट सुमात्रा प्रांत के उप पुलिस प्रमुख ने कहा कि हाल में मिले शव विस्फोट स्थल से कुछ ही मीटर की दूरी पर पाए गए। उन्होंने बताया कि पांच पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए गए हैं और 18 लोगों को मृत मान लिया गया है क्योंकि वे ज्वालामुखी विस्फोट के स्थल के बहुत करीब थे। उन्होंने मंगलवार को कहा कि बाकी 18 लोगों को निकालना चाहते हैं। हमें लग रहा है कि वे अब जीवित नहीं बचे हैं।

पश्चिमी थाईलैंड: बस हादसे में 14 मरे, 30 घायल

बैंकॉक। पश्चिमी थाईलैंड में मंगलवार तड़के एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा प्रचुआप खिरी खान प्रांत में उस वक्त हुआ जब बस बैंकॉक से सुदूर दक्षिण में सोंगखला प्रांत

की ओर जा रही थी। बस में 49 लोग सवार थे। अचानक बस सड़क से हटकर हाट वानाकोर्न नेशनल पार्क के पास एक पेड़ से टकरा गई। प्रचुआप खिरी खान प्रांत थाईलैंड और म्यांमा की खाड़ी के बीच फैले तट पर स्थित है। पुलिस ने कहा कि हमें संदेह है कि बस चालक के सो जाने से यह हादसा हुआ। 'सवांग रूंगरुएंग रेस्क्यू फाउंडेशन' के अनुसार, 35 लोगों का स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

सतह पर मिले नमकीन ग्लेशियरों के प्रमाण

बुध ग्रह पर जगी जीवन की उम्मीद

एजेंसी | वाशिंगटन

बुध ग्रह के बारे में एक नई रिसर्च सामने आई है। बुध की सतह के नीचे कुछ नमकीन ग्लेशियर मिले हैं। इसके बाद माना जा रहा है कि यहां जीवन की संभावनाएं हो सकती हैं। ग्रह वैज्ञानिकों ने बुध के उत्तरी ध्रुव के पास नमकीन ग्लेशियरों की खोज की है, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि इस ग्रह में जीवन के लिए सही परिस्थितियां हो सकती हैं। नमकीन ग्लेशियरों का मिलना इशारा करता है कि बुध ग्रह पर भी जीवन का स्वरूप संभव हो सकता है। हालांकि इंसान का रहना यहां मुमकिन हो सकता है, इस पर कुछ कहना बहुत जल्दीबाजी होगा।

बुध सूर्य के सबसे पास का ग्रह है और यहां जीवन को असंभव माना जाता रहा है, लेकिन नई रिसर्च में काफी अलग दावा किया गया है। द

प्लैनेटरी साइंस जर्नल में प्रकाशित रिसर्च के मुख्य अध्ययन लेखक एलेक्सिस रोड्रिग्ज ने इस रिसर्च पर कहा कि हमारी हाल के शोध दर्शाते हैं कि प्लूटो में नाइट्रोजन ग्लेशियर हैं। इसका अर्थ है कि हिमनद घटना हमारे सौर मंडल के भीतर सबसे गर्म से लेकर सबसे ठंडे तक फैली हुई है। सूर्य से निकटता के कारण बुध पर ग्लेशियरों का पाया जाना आश्चर्यजनक है। बुध ग्रह पृथ्वी की तुलना में सूरज से 2.5 गुना ज्यादा पास है। उस छोटी सी दूरी पर चीजें बहुत अधिक गर्म होती हैं। अध्ययन के सह-लेखक ब्रायन ट्रैविस के अनुसार, ये नमक प्रवाह एक अरब वर्षों से अधिक तक अपनी अस्थिरता को संरक्षित कर सकते हैं। हालांकि बुध का नमकीन भंडार विशिष्ट हिमखंडों या आर्कटिक ग्लेशियरों के अनुरूप नहीं है।

एस्टेरॉयड की वजह से चला पता

एरिजोना के ग्रह विज्ञान संस्थान में ग्रह वैज्ञानिक एलेक्सिस रोड्रिग्ज कहते हैं कि बुध के रेडिटलाडी और एमिनेस्कु क्रेटर में पाए जाने वाले साल्टी ग्लेशियर उन विशिष्ट हिमखंडों की तरह नहीं हैं, जिनके बारे में हम पृथ्वी पर सोचते हैं। इसके बजाय वे नमक के प्रवाह हैं जो बुध की सतह के नीचे वाष्पशील यौगिकों को फंसा देते हैं। भूविज्ञान की दृष्टि से वाष्पशील पदार्थ वे रसायन हैं जो किसी ग्रह पर आसानी से वाष्पित हो जाते हैं- जैसे पानी, कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन। एस्टेरॉयड के प्रभाव से बुध के विचित्र नमक-खंडों का पता चला और वैज्ञानिकों ने इन्हें गड्ढों में खोज निकाला।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl